केवल आप के लिये
गांव-गांव शहर-शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 163 बुधवार 3 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या-फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

ट्रांसजेंडरों तक पहुंचे योजनाओं का लाभ

-भारतीय बस्ती संवाददाता-

बस्ती । मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सीएस की अध्यक्षता में ट्रांसजेंडर समुदाय के व्यक्तियों के अधिकारों एवं हितों की रक्षा करने और उन्हें सरकार द्वारा चलायी गयी स्कीमों का लाभ दिये जाने के सम्बन्ध में ट्रांसजेंडर समुदाय के साथ गोष्ठी का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत कैम्प लगाकर इनका आयुष्मान कार्ड बनवाया जाये। इनके साथ कोई अन्याय, हिंसा न होने पाये इसके लिये सभी थानों पर ट्रांसजेंडर सेल का गठन किये जाने के निर्देश सम्बन्धित को दिये। उन्होंने कहा कि ट्रांसजेंडर को चिन्हित करते हुये इनको सरकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर दिलाया जाये। उन्होंने निर्देशित किया कि मतदाता सूची में इनका नाम दर्ज कराया जाये।

बैठक में प्रबन्धक सचिव इन्दिरा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बताया गया कि संस्था के माध्यम से ट्रांसजेंडर कसिस द्वारा इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स किया जा रहा है। ये अयोध्या एवं काशी में टूरिज्म के लिये कार्य करेंगी। इन्हें अच्छे से कुशल एवं निपुण बनाने के लिये शिक्षा विभाग का सहयोग मिले, इसपर मुख्य विकास अधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रधानाचार्य आईटीआई से समन्वय स्थापित कर कौशल विकास मिशन के तहत संचालित कोर्स के माध्यम से उच्च शिक्षा प्रदान कराने की व्यवस्था की जाये।

उन्होंने कहा कि स्माइल योजना के अन्तर्गत ट्रांसजेंडर के उत्थान के लिये गरिमा गृह योजना, हेल्थ इन्श्योरेंस योजना एवं छात्रवृत्ति योजना प्रस्तावित है। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने 06 ट्रांसजेंडर को पहचान पत्र, प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। बैठक का संचालन श्रीप्रकाश पाण्डेय, जिला समाज कल्याण अधिकारी ने किया।

इस अवसर पर सम्बन्धित अधिकारी तथा ट्रांसजेंडर समुदाय से सम्बन्धित लोग उपस्थित रहे।

अमेरिका में गूंजी बस्ती के आर्गन वादक हाशिम की धुन

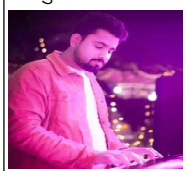

-भारतीय बस्ती संवाददाता-

बस्ती। जिले के सुप्रसिद्ध ऑर्गन वादक हाशिम अहमद आजमी ने विक्की अमेरिका यू एस के कई शहरों में संगीत के धुनों से जलवा बिखेरा। अमेरिका के ह्यूस्टन शहर इंडिया हाउस में कार्यक्रम के दौरान भारत के राजदूत काउंसलेट जनरल ए मंजुनाथ द्वारा सम्मान प्राप्त किये।

अमेरिका में भारत का परचम लहराता देख स्वदेश वापसी आने और नव वर्ष के मंगल घड़ी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। यह संस्कृति यात्रा भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा प्रायोजित किया गया था। जिसमें ऑर्गन वादक हाशिम अहमद आजमी विक्की ने बस्ती जिले का नाम रोशन किया। उनके साथ गायक डॉ0 राकेश श्रीवास्तव उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी सदस्य जिनके संयोजन में यह नौ दिन तक यात्रा रही। साथ में पवन पंछी, सुनील, मोहम्मद शकील, त्रिपुरारी मिश्रा ने अपने कला की प्रस्तुतियां दी।

वाहन चालकों की हड़ताल का व्यापक असर आपूर्ति व्यवस्था चरमराई, कई पेट्रोल पम्प बंद

नई दिल्ली (आभा)। हिट एंड रन से जुड़े कानून में बदलाव के बाद ट्रांसपोर्ट व्हीकल के ड्राइवर्स का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। देशभर में ट्रांसपोर्ट सिस्टम ठप पड़ गया है. ड्राइवरों ने ट्रक, टैंकर और बसों को सड़क पर छोड़ दिया है और बेमियादी हड़ताल में शामिल हो गए हैं। ये प्रदर्शन तेजी पकड़ता जा रहा है. यानी हड़ताल करने वाले ट्रांसपोर्ट व्हीकल की संख्या बढ़ती जा रही है. अगर कुछ दिनों तक यही

हाल रहा तो पूरे देश में ना सिर्फ सप्लाई चेन ठप हो जाएगी, बल्कि फ्यूल की किल्लत भी नागरिकों की मुसीबत बढ़ाएगी।

देश में ट्रक एसोसिएशन की यह हड़ताल आम चुनाव से ठीक कुछ महीने पहले हो रही है. ऐसे में राजनीतिक माहौल भी गरमाने की संभावना बढ़ गई है. नए कानून का देशभर में जगह-जगह विरोध देखने को मिल रहा है. हड़ताल का मंगलवार को दूसरा दिन था। दिल्ली, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, यूपी, बिहार पंजाब, गुजरात, हिमाचल प्रदेश में हड़ताल ने असर दिखाना शुरू कर दिया है. ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन का कहना है कि ड्राइवर अपनी इच्छा से हड़ताल पर हैं।

ट्रक और टैंकरों की हड़ताल का असर दो दिनों में ही व्यापक दिखाई देने लगा है। इसका सबसे बड़ा असर पेट्रोल पंपों पर देखने को मिल रहा है। पेट्रोल पंपों पर भारी भीड़ उमड़ी हुई है। लखनऊ समेत कई जिलों में पेट्रोल पंप सूखने लगे हैं। इन्हें बंद करना शुरू कर दिया गया है। ज्यादातर जगह डीजल खत्म हो गया है। पेट्रोल भी कुछ जगहों पर ही बचा है। पश्चिमी यूपी के बिजनौर से लेकर पूर्वी यूपी के वाराणसी तक एक जैसी स्थिति है। लखनऊ में हर पेट्रोल पंप पर भारी भीड़ सुबह से दिखाई दे रही है। इसका असर कुछ घंटों में ही पेट्रोल पंप ड्राइ होने शुरू हो गए हैं। यहां जवाहर भवन पंप बंद, बादशाह नगर पंप में डीजल खत्म हो गया है।

मेडिकल कॉलेज के कैली हॉस्पिटल में शुरू हुआ चेस्ट वार्ड

-भारतीय बस्ती संवाददाता-

बस्ती। मेडिकल कॉलेज बस्ती के कैली हॉस्पिटल में 35 बेड के चेस्ट वार्ड का आरम्भ प्रिंसिपल डॉक्टर मनोज कुमार ने किया । विभागाध्यक्ष डॉ प्रवीण गौतम ने बताया की अलग से टी.वी.एवं चेस्ट वार्ड बनने से सांस एवं फेफड़ों के मरीजों को और बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और सांस के मरीजों को कहीं और बाहर भटकने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

डॉ. प्रवीण गौतम ने बताया कि टी.वी.के मरीज को वार्ड में अलग कमरे की व्यवस्था रहेगी जिससे बिना टी.वी. वाले फेफड़े एवं सांस के मरीज को टी.वी.की इन्फेक्शन लगने से बचाया जा सकेगा। चेस्ट विभाग में कार्यरत डॉक्टर राहुल सिंह ने बताया की कैली हॉस्पिटल में बेहतर सुविधाएं मिलने से अब सांस एवं टीवी फेफड़ों के मरीजों को इलाज के लिए लखनऊ और गोरखपुर जैसे महानगरों में की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस मौके पर डॉक्टर अनिल यादव, डॉ.अलका, डॉक्टर रोहित एवं कैली हॉस्पिटल के चिकित्सक मौजूद रहे।

गन्ना विभाग में भ्रष्टाचार का आरोप मण्डलायुक्त ने दिया जांच का निर्देश

-भारतीय बस्ती संवाददाता-

बस्ती । भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष चन्द्रेश प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर कहा है कि जिला गन्ना अधिकारी एवं गन्ना विभाग में कार्यरत ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक अमरनाथ दूबे द्वारा व्यापक भ्रष्टाचार किया जा रहा है और गाडी संख्या यूपी 51 ए बी 5097 जो मोटर साईकिल हीरो का नम्बर है और कौशल किशोर के नाम से पंजीकृत है उससे अवैध रूप से भुगतान प्राप्त किया गया है। इस सम्बन्ध में किसान परिषद सदस्य देवेन्द्र प्रताप सिंह ने मण्डलायुक्त को पत्र भेजकर कहा है कि यह प्रकरण अत्यन्त गंभीर है और अधिकारी के कार्यों और चरित्रों के विपरीत है। इसकी उच्च स्तरीय जांच कराया जाय। इस सम्बन्ध में मण्डलायुक्त ने जिलाधिकारी को निर्देश दिया है कि प्रकरण की जांच कराकर कार्यवाही से अवगत कराया जाय।

भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष चन्द्रेश प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा है कि गाड़ी संख्या यूपी 51 ए बी 5097 जो मोटर साईकिल के नाम पर फर्जी भुगतान प्राप्त कर बंदरबांट कर लिया गया है। उन्होंने प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग किया है।

राशन कोटे का अवशेष खाद्यान्न दिलाये जाने की मांग

-भारतीय बस्ती संवाददाता-

बस्ती। सांऊघाट विकास खण्ड क्षेत्र की बायपोखर की राशन कोटेदार नीलम देवी ने उप जिलाधिकारी सदर को पत्र भेजकर अवशेष खाद्यान्न को दिलाये जाने की मांग किया है जिससे उसका वितरण किया जा सके।

पत्र में राशन कोटेदार नीलम देवी ने कहा है कि उन्हें ग्राम पंचायत-बायपोखर के उचित दर विक्रेता के रूप में नियुक्त किया गया है। नियुक्ति के उपरान्त उन्हें ग्राम पंचायत-मलिकपुरवा के विक्रेता के परिजन उनके पुत्र चन्द्रधौल चौधरी से ग्राम पंचायत-बायपोखर का खाद्यान्न गया, जिस पर उनसे स्टॉक के सम्पूर्ण अवशेष की मांग किये जाने पर उनके द्वारा बताया कि ग्रामसभा वायपोखर में पहले श्रीमती विजयलक्ष्मी उचित दर विक्रेता के रूप में कार्यरत जिनकी दुकान का अनुबन्ध निरस्त हो चुका है। विजयलक्ष्मी द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के 02.58 कुन्टल गेहूँ तथा 44.65 कुन्टल चावल नही दिया गया है, इस कारण से उक्त मात्रा का राशन उनके पास मौजूद नही है। स्टॉक में बैलेन्स सम्पूर्ण मात्रा का खाद्यान्न न मिल पाने के कारण ग्रामसभा के सभी कार्डधारकों को राशन का वितरण किया जाना सम्भव नहीं हो पा रहा है। उन्होंने मांग किया है कि ग्रामसभा बायपोखर के स्टॉक के अवशेष 2.58 कुन्टल गेहूँ तथा 44. 65 कुन्टल चावल को उपलब्ध कराये जाने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक निर्देश दिया जाय।

जापान में एअरपोर्ट पर विमान से टकराया विमान, 5 की मौत 379 यात्री सुरक्षित

टोक्यो (आभा)। जापान में एक एयरपोर्ट पर भयंकर विमान हादसा हो गया। लैंडिंग के वक्त यह रनवे पर खड़े एक विमान से टकरा गया जिसके बाद भीषण आग लग गई। हैरान करने वाली बात यह थी कि विमान में सवार सभी 379 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया लेकिन रनवे पर पहले से खड़े जिस विमान से यह टकराया था उसमें पांच शव पाए गए हैं। शव पूरी तरह से झुलस गए थे। जानकारी के मुताबिक कोस्ट गार्ड के पांच सदस्य इस हादसे में मारे गए हैं। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि हादसे के दो घंटे बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका है।

जानकारी के मुताबिक विमान में सवार छह में से पांच अधिकारियों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। रॉयटर्स के मुताबिक यह एक कोस्ट गार्ड का विमान था जो कि जापान में आए भूकंप के बाद लोगों को राहत सामग्री पहुंचाने के उद्देश्य से आया था।

घटना के बाद सामने आए वीडियो में ऊंची लपटें उठती दिख रही थीं। आग की वजह से इतना बड़ा विमान पूरी तरह जलकर खाक हो गया। जानकारी के मुताबिक तत्काल आग बुझाने के लिए दो दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। जानकारी के मुताबिक विमान के पायलट को बचा लिया गया था। तोक्यो के हनेदा एयरपोर्ट पर हादसे के बाद सभी रनवे को बंद कर दिया गया है।

जापान के सरकारी चैनल एनएचके के मुताबिक हादसे के बाद सबसे पहले लोगों को उतारने पर ध्यान दिया गया। इसके बाद आपातकालीन द्वार से एक-एक कर लोगों को बाहर निकाला गया। वहीं कई लोगों ने विमान से छलांग लगा दी जिससे उनको चोटें आईं हैं। जापान में लंबे समय के बाद इस तरह का कोई विमान हादसा हुआ है।

प्रधानाचार्यों का नेतृत्व क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण शुरू

-भारतीय बस्ती संवाददाता-

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में मंगलवार को राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों का पांच दिवसीय नेतृत्व क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ। प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने प्रशिक्षण का शुभारंभ करते हुए कहा कि विद्यालय के प्रधानाचार्यों में नेतृत्व क्षमता विकसित होनी चाहिए जिससे वह अपने छात्रों एवं कर्मचारियों का समुचित विकास करते हुए संस्थान को आगे ले जा सके।

प्राचार्य ने मूल कार्य के प्रति समर्पित रहने व संसाधनों के समुचित प्रयोग पर बल दिया। प्रशिक्षण प्रभारी डॉ रविनाथ त्रिपाठी ने कहा कि प्रधानाचार्यों को प्रशासन एवं प्रबंधन से आगे बढ़कर एक बेहतर नेतृत्वकर्ता के रूप में अपने आप को विकसित करना चाहिए जिससे वह समाज को बेहतर दिशा दे पाए । प्रशिक्षण में संदर्भदाता के रूप में श्री उदयभान वर्मा एवं संतोष कुमार गौड़ ने संबोधित किया। प्रशिक्षण में 23 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं प्रधानाध्यापकों ने प्रतिभाग किया।

इस अवसर पर डायट प्रवक्ता डॉ गोविंद प्रसाद, सरिता चौधरी, वर्षा पटेल, इमरान खान, शशि दर्शन त्रिपाठी , कुलदीप चौधरी ने प्रशिक्षण में अपना योगदान दिया।

ई.डब्लू.एस. सामान्य वर्ग के आरक्षण में आयु सीमा बढाने की मांग:मेधा ने सौंपा ज्ञापन

-भारतीय बस्ती संवाददाता-

बस्ती । मेधा प्रवक्ता दीनदयाल तिवारी ने मंगलवार को तीन सूत्रीय मांगो को लेकर जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि ई.डब्लू.एस. सामान्य वर्ग के आरक्षण में अन्य आरक्षण की भांति पात्रों को सुविधा दिया जाय।

ज्ञापन में कहा गया है कि ई.डब्लू.एस. आरक्षण में अन्य आरक्षण की भांति पात्रों को सुविधा नहीं मिल पा रही है। आयु सीमा में छूट देने के साथ ही एक हजार स्क्वायर फिट का मकान जिनके पास है उन्हें भी बाध्यता समाप्त कर सुविधा उपलब्ध करायी जाय। आय प्रमाण-पत्र की वैधता तीन वर्ष के लिये लागू किया जाय।

मेधा प्रवक्ता दीनदयाल तिवारी ने ज्ञापन देने के बाद कहा कि ई.डब्लू. एस. सामान्य वर्ग के लोगों को 10 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था तो की गई है किन्तु उसके कई मानक बना दिये गये हैं जिसके कारण पात्रों को भी समुचित सुविधा नहीं मिल पा रही है। इसे व्यापक हित में उपलब्ध कराया जाय। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से उमेश पाण्डेय 'मुन्ना, रुद्र आदर्श पाण्डेय, राहुल तिवारी, जुवेर अहमद, कौशल पाण्डेय, प्रदीप पाण्डेय आदि शामिल रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बस्ती के लाभार्थियों से बनाया संवाद

-भारतीय बस्ती संवाददाता-

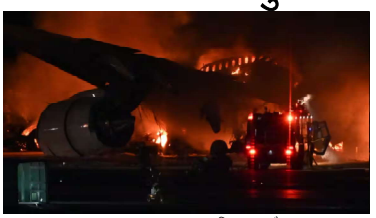

बस्ती । विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत मुख्यमंत्री लाभार्थी संवाद का आयोजन विजय प्रताप सिंह इंटर कॉलेज महसों में किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदर ब्लाक के महसो ग्राम सभा की लाभार्थी श्रीमती माया देवी से परिचय प्राप्त किया तथा यह जानकारी लिया कि उन्हें किन-किन योजनाओं का लाभ मिला है। माया देवी ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्य है तथा समूह सखी का कार्य कर रही है। इससे उनकी अच्छी आमदनी होती है। उन्होंने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास, शौचालय,उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन का लाभ मिला है। दीपावली में उन्हें निशुल्क सिलेंडर भी प्राप्त हुआ है। उन्हें प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत गोल्डन कार्ड प्राप्त है परन्तु अभी तक उन्होंने इसका लाभ नहीं लिया है। राशनकार्ड द्वारा निःशुल्क राशन प्रतिमाह प्राप्त होता है। उन्हें हर घर नल कनेक्शन भी प्राप्त हो गया है। उनके ससुर को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत धनराशि भी प्राप्त होती है । माया देवी ने बताया कि सरकारी योजनाओं के द्वारा उनके जीवन में खुशहाली आई है और योजनाओं को प्राप्त करने के लिए उन्हें किसी प्रकार की धनराशि नहीं देनी पड़ी है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सभी लाभार्थी जिनको

योजनाओं का लाभ मिला है वह अपने आसपास के अन्य पात्र व्यक्तियों को इसकी जानकारी दें, योजनाओं का लाभ दिलाए। इसके लिए मोदी गारंटी वैन प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में पहुंच रही है। इसके माध्यम से योजनाओं का प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है तथा पात्र व्यक्तियों का योजनाओं में रजिस्ट्रेशन भी कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार प्रदेश में 642 मोदी गारंटी वैन संचालित है। प्रदेश के 57709 ग्राम पंचायत में से 36983 ग्राम पंचायत में यह वैन पहुंच चुकी है और इससे दो करोड़ 75 लाख लोगों को लाभ मिल चुका है। शेष गावों में 25 जनवरी 2024 तक यह वैन पहुंचेगी। आज के कार्यक्रम में उन्होंने प्रदेश के लगभग 5 लाख लोगों को सम्बोधित किया, जिसमें उन्होंने चंदौली की निर्जला देवी, महोबा की श्याम सखी, बस्ती की श्रीमती माया देवी, बाराबंकी की सरिता देवी तथा मेरठ के अभिषेक कुमार से संवाद किया।

संवाद के अंत में मुख्यमंत्री ने श्रीमती माया देवी से कहा कि अगर वह कुछ और भी कहना चाहती हो तो बताएं। श्रीमती माया देवी ने मुख्यमंत्री को नए साल की बधाई देते हुए बताया कि उनके तीन बच्चे हैं जो प्राइमरी स्कूल में पढ़ रहे हैं और उनके द्वारा प्रेषित पैसे से उनका बैग, ड्रेस, जूता मोजा, स्वेटर,ले लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों को प्रतिदिन स्कूल भेजें ताकि वह पढ़ लिख करके अच्छे नागरिक बन सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबी रेखा से ऊपर उठाने का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संचालित योजनाओं के द्वारा किया जा रहा है। हमारा लक्ष्य है कि 2047 तक तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाया जाए। इसमें सभी नागरिकों को पंच-प्रण के अनुसार अपना योगदान करना होगा। इस अवसर पर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सभी का स्वागत करते हुए विकसित भारत संकल्प यात्रा की प्रगति के बारे में जानकारी दिया। कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन अपर मुख्य सचिव देवेश चतुर्वेदी ने किया। इस अवसर पर मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र, गृह सचिव संजय प्रसाद तथा अन्य विभागीय अधिकारी गण लखनऊ लोक भवन में उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी अन्द्रा वामसी ने वहां उपस्थित सभी लोगों को पंच-प्रण का शपथ दिलाया। इस अवसर पर सर्व शिक्षा अभियान, कृषि रक्षा, उद्यान, एनआरएलएम, स्वच्छ भारत अभियान, आईसीडीएस, श्रम, स्वास्थ्य, मिशन शक्ति, कृषि विभाग द्वारा ड्रोन से नैनो यूरिया छिड़काव, समाज कल्याण विभागो ने स्टाल लगाकर योजना का प्रचार-प्रसार किया । विकसित भारत संकल्प यात्रा की वैन के माध्यम से प्रधानमंत्री का सम्बोधन सभी को सुनाया गया। लघु फिल्म के माध्यम से आत्म निर्भर भारत के विभिन्न आयामों को दर्शाया गया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक रवि सोनकर, ब्लॉक प्रमुख राकेश श्रीवास्तव, सीडीओ जयदेव सीएस, संयुक्त निदेशक कृषि अविनाश चन्द तिवारी, उपनिदेशक कृषि अशोक गौतम, जिला कृषि अधिकारी डॉ0 राज मंगल चौधरी, डिप्टी सीएमओ डॉ0 अशोक चौधरी, डीपीआरओ रतन कुमार,सीवीओ डॉ अमर सिंह, सूचना विज्ञान अधिकारी आलोक मिश्रा, परियोजना निदेशक राजेश झा, उपयुक्त मनरेगा संजय शर्मा, मत्स्य के संदीप वर्मा, राजा शेर सिंह, नाबार्ड के मनीष कुमार, लीड बैंक मैनेजर पीएन मौर्य, ग्राम प्रधान अशोक वर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा विभागीय अधिकारी गण उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन बहाली के लिये भूख हडताल 8 से: बैठक में बनी आन्दोल की रणनीति

-भारतीय बस्ती संवाददाता-

बस्ती। पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मंच 'एन.जे.सी.ए.' के केन्द्रीय आवाहन पर चरणबद्ध आन्दोलन की कड़ी में आगामी 8 जनवरी को मण्डल मुख्यालय कलेक्ट्रेट परिसर में 24 घंटे की भूख हड़ताल कर पुरानी पेंशन बहाली की मांग किया जायेगा। आन्दोलन की सफलता के लिये राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की बैठक कलेक्ट्रेट परिसर स्थित संघ भवन पर जिलाध्यक्ष मस्तराम वर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में पुरानी पेंशन नीति बहाल किये जाने के एक सूत्रीय मांग को आयोजित भूख हड़ताल के सम्बन्ध में पदाधिकारियों में दायित्वों का वितरण किया गया। भूख हड़ताल में सिद्धार्थनगर, संतकबीर नगर जनपदों के कर्मचारी नेता भी हिस्सा लेंगे।

यह जानकारी देते हुये राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल ने बताया कि 8 जनवरी को मण्डल मुख्यालय कलेक्ट्रेट परिसर में 24 घंटे की भूख हड़ताल दिन में 10 बजे से आरम्भ होगी जो 9 जनवरी को प्रातः 10 बजे तक चलेगा। भूख हड़ताल में शामिल होने वाले लोगों के लिये परिषद की ओर से अलाव आदि की

व्यवस्था की जायेगी। बताया कि पुरानी पेंशन बहाली के लिये कर्मचारी एक जुट हो, 2024 निर्णायक वर्ष है और लोकसभा चुनाव के पूर्व पुरानी पेंशन बहाल हो इसके लिये हर स्तर पर संघर्ष तेज करना होगा।

संचालन करते हुये राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के मण्डलीय मंत्री ई. राजेश श्रीवास्तव ने कहा कि सरकार जानबूझकर कर्मचारी हितों की अनदेखी कर रही है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

बैठक में कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अशोक मिश्र, पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष अजय आर्य, ग्राम विकास अधिकारी संघ अध्यक्ष अमरनाथ गौतम, कोषागार कर्मचारी संघ अध्यक्ष अखिलेश पाठक, दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ अध्यक्ष अशोक सिंह, ग्राम विकास मिनीस्ट्रीयल अध्यक्ष मुकेश सोनकर, आई.टी.आई. कर्मचारी संघ अध्यक्ष रणजय सिंह, कृषि विभाग मिनीस्टीरियल के मंत्री अमन प्रताप सिंह, बोरिंग टेक्नीशियन लघु सिंचाई अध्यक्ष सुभाष चन्द्र पाण्डेय आदि ने कहा कि भूख हड़ताल में कर्मचारी पूरी ताकत झोंकेंगे। पुरानी पेंशन बहाली कर्मचारियों के जीवन मरण से जुड़ा सवाल है। बैठक में मुख्य रूप से पेंशनर कल्याण संस्था के अध्यक्ष जलालुद्दीन कुरेशी, सिंचाई संघ अध्यक्ष सुभाष मिश्र, रमेश चन्द्र श्रीवास्तव, विमल आनन्द, परमात्मा प्रसाद, राजेश कुमार, मनीष यादव, राहुल श्रीवास्तव, आलोक कुमार, दुर्बली प्रसाद, अविनाश कुमार, हरीराम पाण्डेय के साथ ही अनेक कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

''मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता''—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 3 जनवरी 2024 बुधवार

सम्पादकीय

वाहन चालकों की हड़ताल

देश के विभिन्न हिस्सों में नए 'हिट एंड रन' कानून के विरोध में बस, ट्रक व कैब ड्राइवर हड़ताल कर रहे हैं।इस हड़ताल का असर अयोध्या में राम की प्राण प्रतिष्ठा और गणतंत्र दिवस समारोह पर पड़ सकता है। सरकार को इस मामले को जल्द से जल्द सुलझाना चाहिये। मध्यप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, हरियाणा व पंजाब सहित कई राज्यों में हो रही हड़ताल का असर अब सामान्य जनजीवन पर पड़ने लगा है। पेट्रोल पंपों पर वाहनों की भारी भीड़ लगी है। अगर ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल खत्म नहीं हुई, तो बाजार में रोजमर्रा की वस्तुओं की कमी हो जाएगी। केंद्र सरकार के उच्च पदस्थ सूत्रों ने इस मामले में बड़ा अपडेट दिया है। नए कानून के तहत हिट एंड रन के आरोपी को दस साल की सजा और सात लाख रुपये का जुर्माना देना होगा। इसके विरोध में ट्रक व बस ड्राइवर हड़ताल पर हैं। केंद्र सरकार के सूत्रों ने बताया, हिट एंड रन के मामले में ट्रक, बस या किसी अन्य वाहन का चालक अगर घटनास्थल से कुछ दूर जाकर पुलिस को सूचित करता है, घायल व्यक्ति की जानकारी देता है और खुद की पहचान के बारे में पुलिस को स्पष्ट तौर पर बता देता है, तो उसके खिलाफ उक्त सख्त कानून लागू नहीं होगा। उसे पुलिस को यह आश्वासन देना होगा कि उसे जहां भी, जब भी इस मामले में बुलाया जाएगा, वह आएगा।

पिछले दिनों संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस कानून के बारे में बताया था कि सरकार ने उन लोगों के लिए सख्त दंड का प्रावधान किया है, जो सड़क दुर्घटना करने के बाद मौके से भाग जाते हैं। उस स्थिति में पीड़ित को मरने के लिए छोड़ दिया जाता है। ऐसे आरोपियों के खिलाफ नए हिट एंड रन कानून के प्रावधान लागू होंगे। मौजूदा भारतीय दंड संहिता में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। हिट एंड रन केस में अगर ड्राइवर, बिना सूचना दिए भाग जाता है, तो उसे 10 साल तक की सजा मिलेगी। इसके अलावा सात लाख रुपये जुर्माना भी देना होगा। केंद्र सरकार के सूत्रों ने बताया, ऐसा नहीं है। यह दंड केवल उन चालकों के लिए है, जो हिट एंड रन के बाद मौके से फरार हो जाते हैं। इस मामले में ड्राइवरों का मत है कि वे घटनास्थल पर ठहरेंगे तो लोगों की भीड़ उन्हें मार डालेगी। इस बात को ध्यान में रखते हुए यह प्रावधान किया गया है कि अगर कोई चालक हिट एंड रन के बाद कुछ किलोमीटर दूर जाकर गाड़ी रोक लेता है। हेल्पलाइन नंबर 108 के माध्यम से पुलिस को घटना की सारी जानकारी देता है और पीड़ित को अस्पताल पहुंचाने का आग्रह करता है तो उसके साथ सख्ती नहीं होगी। उस चालक को अपनी सारी जानकारी पुलिस को बतानी होगी। इसके बाद उस चालक के खिलाफ सामान्य धारा के तहत केस दर्ज होगा। इस तरह के केस में उन लोगों के लिए कुछ उदारता दिखाई जाएगी, जो खुद से पुलिस को सूचित करेंगे और घायलों को अस्पताल ले जाएंगे। भारतीय न्याय संहिता खंड 106(1) में सजा 2 साल से बढाकर 5 साल की गई है। खंड 106(2) में 'हिट एंड रन' मामलों में 10 साल की सजा का प्रावधान किया गया है। हिट एंड रन मामले में जो प्रावधान बढ़ाया गया है 10 साल तक, ये सुप्रीम कोर्ट के 'ऑब्जरवेशन' के तहत लिखा गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने एक से ज्यादा मामले में कहा है कि वाहन चालक जो लापरवाही से गाड़ी चलाते हैं और सड़क पर दुर्घटना करके जिसमें किसी की मौत हो जाती है, वहां से भाग जाते हैं तो ऐसे लोगों के ऊपर कार्यवाही सख्त होनी चाहिए। ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र कपूर ने दिल्ली के सभी परिवहन चालकों और स्वामियों से अपील की है। इसमें कहा गया है कि इस विषय में बातचीत से हल संभव है। सभी लोग धैर्य से काम लें। ये कानून अगर लागू भी होंगे, तो वे एक अप्रैल 2024 से अस्तित्व में आएंगे। अब देखना ये है कि सरकार का कदम किस रूप में और कब सामने आता है।

2024 में कांग्रेस के लक्ष्य और चुनौतियां

—संजीव चोपड़ा—

हिंदी भाषी राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में मिली असफलताओं के बाद कांग्रेस 18वीं लोकसभा के लिए 2024 में होने वाले चुनाव में 'आर या पार' के लिए तैयार है। जहां नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री की कुर्सी हासिल करके पंडित जवाहर लाल नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी करने की उम्मीद कर रहे हैं, वहीं कई लोग वर्ष 2024 को कांग्रेस के लिए उसकी 138 साल की यात्रा में सबसे कठिन अवधि में से एक के रूप में भी देख रहे हैं। वर्ष 1984 में रिकॉर्ड 414 लोकसभा सीट जीतकर कांग्रेस के अपने चुनावी शिखर को छूने के चार दशक भी पूरे हो जाएंगे। संसद के निचले सदन में कांग्रेस के केवल 48 सदस्य ही हैं और इस प्रकार पार्टी को पिछले 10 वर्षों में लगातार गिरावट देखने को मिली है।

कांग्रेस अपनी सीट की संख्या में आ रही लगातार गिरावट को 2024 में रोकने की उम्मीद कर रही है, लेकिन इसके लिए उसे विभिन्न प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा और इनमें सबसे महत्वपूर्ण है भाजपा—विरोधी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव एलायंस' (इंडिया) के घटक दलों के साथ सीट—बंटवारा समझौते को अंतिम रूप देना। इस गठबंधन का अभी तक कोई चुनावी प्रभाव तो नहीं दिख सका है। राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे हिंदी—भाषी राज्यों में भाजपा के हाथों सत्ता गंवाने और मध्य प्रदेश में सत्ता में वापसी में विफल रहने वाली कांग्रेस जब सीट बंटवारे को लेकर बातचीत करेगी तो उसकी स्थिति कमजोर नजर आएगी।

हार के कारण कांग्रेस का आकलन पूरी तरह से बिगड़ चुका है, क्योंकि वह 2022 में हिमाचल प्रदेश और 2023 में कर्नाटक विधानसभा चुनावों में जीत से प्राप्त गति बनाए रखने की उम्मीद कर रही थी। वर्ष 2024 के आम चुनावों से ठीक पहले इस हार के पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए भी निराशाजनक साबित होने की संभावना है, क्योंकि हिंदीभाषी राज्य चुनाव परिणाम निर्धारित करने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। वर्ष 2019 में भाजपा ने हिंदी पट्टी में 141 सीट पर जीत हासिल की थी, जो इस क्षेत्र की कुल सीट का 71 फीसदी था। एक चुनाव विश्लेषक का मानना है कि 2024 का लोकसभा चुनाव कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह दो आम चुनाव बुरी तरह हार चुकी है। विश्लेषक ने कहा, 'अब पार्टी के लिए यह 'आर या पार' वाली स्थिति है।

कांग्रेस अब केवल तीन राज्यों— हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना— में अपने दम पर सत्ता में है, जबकि हिमाचल प्रदेश एकमात्र उत्तर भारतीय राज्य है, जहां अब इस पार्टी का शासन है। हिमाचल प्रदेश में केवल चार लोकसभा सीट है। हालांकि, दक्षिणी राज्यों में पार्टी मजबूत होती दिख रही है। हिंदी पट्टी से लगभग सफाया होने के बाद, कांग्रेस को मतदाताओं को अपने पक्ष में लुभाने के लिए नयी योजनाएं तैयार करने की आवश्यकता होगी। भाजपा ने कांग्रेस की मुफ्त योजनाओं और जातिगत गणना के मुद्दे की काट के तौर पर क्रमशः 'मोदी की गारंटी' और प्रधानमंत्री की 'चार जातियों— महिलाओं, युवाओं, गरीबों और किसानों' को खड़ा किया है।

जातिगत गणना, मुफ्त की रेवड़ियां और अडाणी—विरोधी अभियान सहित कांग्रेस के विभिन्न अपीलों का जनता पर कोई व्यापक असर नहीं हुआ है और फलस्वरूप पार्टी लोगों के साथ फिर से जुड़ने की उम्मीद में राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के दूसरे संस्करण की घोषणा कर चुकी है। मणिपुर से महाराष्ट्र तक हाइब्रिड (बस और पैदल) 'भारत न्याय यात्रा' 14 जनवरी को शुरू होगी और 14 राज्यों से होकर गुजरेगी। इसे इंफाल से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे हरी झंडी दिखाएंगे और यह नगालैंड, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र से गुजरकर 6,200 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

इस यात्रा को आगामी अप्रैल—मई में होने वाले लोकसभा चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चुनावों की घोषणा यात्रा के अंतिम चरण के वक्त हो सकती है। कांग्रेस ने चुनाव की अपनी तैयारी दर्शाते हुए स्थापना दिवस के अवसर पर नागपुर में 'हैं तैयार हम' रैली आयोजित की थी। पार्टी पिछले कई दिनों से लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर राज्य के नेताओं के साथ विचार—विमर्श कर रही है और अपनी तरफ से कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है। कांग्रेस जहां अपनी किस्मत पलटने को लेकर उत्साहित है, वहीं आने वाली चुनौतियों के प्रति पूरी तरह सचेत भी है। 'इंडिया' गठबंधन के भीतर सफल सीट—बंटवारे को लेकर बातचीत में पहली बाधा पार्टी के भीतर से आई है, क्योंकि इसकी पंजाब और दिल्ली इकाइयों ने आम आदमी पार्टी के साथ किसी भी समझौते के खिलाफ खुले तौर पर चेतावनी दी है। यह देखना अभी बाकी है कि नेतृत्वहीन इंडिया गठबंधन के लिए कांग्रेस का नुस्खा मोदी की राजनीतिक विवेक के समक्ष टिक पाएगा या नहीं।

इस बीच, कांग्रेस को उम्मीद है कि वह 2024 के चुनावों के लिए वैकल्पिक सकारात्मक एजेंडे पर काम करेगी और भाजपा के खिलाफ धर्मनिरपेक्ष ताकतों को एकजुट करेगी। नये साल में प्रवेश करते ही पार्टी का मार्गदर्शक सिद्धांत उसके 'रायपुर प्रस्ताव' में निहित है, जिसमें लिखा है, ''धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी ताकतों की एकता कांग्रेस पार्टी के भविष्य की पहचान होगी।''

सबको स्वास्थ्यवर्धक भोजन की चुनौती

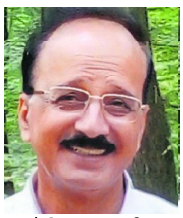

—देविंदर शर्मा—

यदि आजादी के 76 साल बाद भी, 74 फीसदी से भी अधिक भारतीय स्वास्थ्यवर्धक भोजन का खर्च उठाने में सक्षम नहीं हैं तो कुछ तो है जो गलत हो रहा है। यह भी तब जबकि देश दुनिया की सबसे तेज गति से तरक्की कर रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, और संवृद्धि दर अनुमानों के लिहाज से जिन्हें यह लगभग हासिल कर ही लेगा, लगभग 2027 तक भारत के तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है। अर्थव्यवस्था का आकार जो भी हो, और वह भी अधिकांश अस्वस्थ आबादी से निर्मित हो तो वह इस बात का स्पष्ट संकेतक है कि ग्रोथ मैट्रिक्स यानी संवृद्धि का सांचा देश के स्वास्थ्य से मेल नहीं खाता है।

यह निश्चित तौर पर चिंताजनक है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' की अवधि पांच साल और बढ़ाने की घोषणा की, जिसके तहत 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ्त राशन मिलना जारी रहेगा, तो इससे पूरी तरह स्पष्ट था कि सरकार ने जरूरत समझी है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत निर्धारित 2—3 रुपये प्रति किलोग्राम की कीमत पर सब्सिडी वाले खाद्यान्न, जिसके हकदार गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले लोग हैं, के अलावा 5 किलोग्राम मुफ्त राशन भी दिया जाये। क्योंकि एनएफएसए आबादी के 67 प्रतिशत हिस्से की जरूरत पूरी करता है, इसके साथ ही अन्य 10 फीसदी भाग ऐसा है जिसके खुराक के स्तर को बेहतर बनाने की तुरंत जरूरत है।

संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने अपने खाद्य सुरक्षा और पोषण के क्षेत्रीय अवलोकन 2023 में ये हैरान कर देने वाले आंकड़े उजागर किये। यह वर्ष 2021 के लिए अनुमानों पर आधारित था, जो महामारी का साल था, परंतु अध्ययन बताता है कि क्षेत्र का उसी तरह के प्रभावों के फैलाव से ग्रस्त रहना जारी है। निराशाजनक रूप से, रिपोर्ट बताती है कि एशिया—प्रशांत क्षेत्र में पोषण के लिहाज से 37.07 करोड़ गरीब लोग मौजूद हैं जो वैश्विक स्तर पर कुपोषित जनसंख्या के आधे से ज्यादा है। भारत के अलावा पाकिस्तान में 82.8 प्रतिशत और बांग्लादेश में 66.1 फीसदी आबादी कुपोषित है। जबकि नेपाल में 76.4 फीसदी, श्रीलंका में 55.5 फीसदी और भूटान में 45.2 प्रतिशत जनसंख्या कुपोषण से ग्रस्त है। इस तरह से दक्षिण एशियाई क्षेत्र वैश्विक अल्पपोषित मानचित्र पर हावी है।

एफएओ की रिपोर्ट यह भी बताती है कि देश की 53 प्रतिशत महिलाओं में रक्ताल्पता की समस्या है, और पांच साल से कम आयु के 31.7 फीसदी बच्चों की हाइट उम्र के लिहाज से कम है, इसके साथ ही 18.7 प्रतिशत बच्चों का वजन तकनीकी तौर पर उनकी ऊंचाई के अनुरूप कम है। रोचक बात यह है कि यही अनुमान पूर्व में वैश्विक भूख सूचकांक (जीएचआई) में चिन्हित किये गये थे जिन्हें भारत ने यह कहकर नकार दिया था कि इनके लिए अपनाई गयी कार्यप्रणाली सही नहीं है। जबकि एफएओ का कहना है कि जब तक बढ़ रही आय का स्तर बढ़ रही खाद्य कीमतों के बराबर नहीं होता है, अस्वास्थ्यकर भोजन की प्रवृत्ति घटेगी नहीं।

जहां तक आय स्तर का संबंध है तो भारत की अधिकांश जनसंख्या लगातार उस स्तर पर है जो सब—सहारा अफ्रीका में मौजूद है। देश के एक अंग्रेजी दैनिक समाचारपत्र में 10 अगस्त, 2022 में प्रकाशित लेख 'फोकस ऑन द बेस ऑफ ए पिरामिड' में ये अनुमान था कि 90 करोड़ भारतीय उतनी ही आय में निर्वाह कर रहे थे जितनी आमदन सब सहारा अफ्रीका में है। इतने निम्न आय स्तर के साथ, जो अर्थव्यवस्था की वृद्धि के बावजूद जारी है, अस्वास्थ्यकर खुराक कायम रहेगी। इसे प्रमाणित करने के लिए, विश्व बैंक की हालिया गणना से मालूम हुआ कि ब्रिक्स देशों में, भारत की 91 प्रतिशत आबादी 280 रुपये रोजाना (4 डॉलर प्रतिदिन) से कम में जीवन यापन करती थी। यह वृद्धिमान अर्थव्यवस्थाओं में सबसे कम है, इतने ही आय स्तर पर 51 प्रतिशत आबादी के साथ दक्षिण अफ्रीका दूसरे स्थान पर आता था।

स्वास्थ्यकर खुराक प्राप्त करने को लेकर, जवाब यही है कि पिरामिड की सतह पर प्रचलित आय स्तर को बढ़ाया जाये। यह मुश्किल लगता है, और कुछ तो इसे असंभव ही कहेंगे, पर हकीकत में औसत आय स्तर को बढ़ाना कठिन नहीं है। मैंने अकसर कहा है कि चूंकि ग्रामीण परिवारों का करीब 70 फीसदी हिस्सा कृषि पर आश्रित है तो खेती को व्यवहार्य और लाभकारी उद्यम बनाने में ही इसका जवाब निहित है। कृषि क्षेत्र में कार्यरत जिस 47 फीसदी कार्यबल को व्यवहार्य आय स्तर से लगातार वंचित रखा जा रहा है, वे कभी पोषण से भरपूर आहार नहीं प्राप्त कर सकते हैं। कई अध्ययनों ने इंगित किया कि ग्रामीण मजदूरी जो किसी भी रूप में निम्नतम है, फिर से कम हुई या स्थिर रही। और जब गरीब परिवारों में आय कम होती है तो वे अपने द्वारा लिये जाने वाले भोजन में ही कटौती करते हैं।

महंगाई नियंत्रण के मकसद से कृषि क्षेत्र को जानबूझकर दरिद्र बनाये रखने के चलते मैक्रो इकनॉमिक नीतियों ने कृषि को व्यवहार्य विकल्प बनाने के प्रयासों को दबा दिया है। यह मुझे राजनीतिक अर्थव्यवस्था पर एक त्रुटिपूर्ण ग्रंथ की याद दिलाता है जिसे नीति आयोग ने साल 2020 में देशभर में एक आम आदमी द्वारा भुगतान की जाने वाले भोजन (थाली) की लागत को मापने के मकसद से तैयार किया था। द ट्रिब्यून में 8 फरवरी, 2020 को प्रकाशित मेरे एक लेख 'थाली इकोनॉमिक्स गेट्स इट रॉन्ग' में मैंने व्याख्या की है कि कैसे थाली इकोनॉमिक्स, जैसा कि इसे कहा गया, केवल यह संदेश देने के लिए थी कि खाद्य कीमतें एक औसत आदमी की पहुंच में हैं। असल में, रिपोर्ट में यह बात चतुराई से छुपा ली गयी थी कि सस्ते खाद्यान्न उगाने के लिए किस तरह से किसानों को 'दंडित' किया जा रहा है।

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल इंडिया मासिक आधार पर विश्लेषण करती है, और मैंने देखा कि फोर्ब्स इंडिया मैगजीन 'हाउ इंडिया ईट्स' शृंखला के तहत प्रकाशित करती है। कई दूसरे अखबार भी रिपोर्ट को नियमित तौर पर छापते हैं। सितंबर, 2023 के लिए विश्लेषण के मुताबिक, प्याज—टमाटर के दाम कम होने से औसतन एक शाकाहारी थाली की लागत 27.9 रुपये थी। यह लागत उससे 17 फीसदी कम थी जो एक माह पहले एक आम शहरी को घर पर भोजन तैयार करने में पड़ती थी। इसी तरह नॉन—वेजिटेरियन थाली की लागत आंकी गयी।

यह देखते हुए कि एफएओ के खाद्य और कृषि की स्थिति (एसओएफए) 2023 के मुताबिक खाद्य उत्पादन की वैश्विक लागत 12.7 ट्रिलियन डॉलर आंकी गई है, और भारत में छिपी हुई लागत 1.1 ट्रिलियन डॉलर मापी गई है, तो अब वक्त आ गया है कि क्रिसिल के मासिक अनुमानों पर रोक लगायी जाये। हर माह वेजिटेरियन और नॉन वेजिटेरियन थाली का चार्ट सामने लाकर असल में क्रिसिल सेहतमंद व खरे खाद्य पदार्थ पैदा करने की लागत को छुपा रही है। यह ध्यान में रखते हुए कि भारत में 74 फीसदी लोग स्वास्थ्यवर्धक भोजन का खर्च उठाने में समर्थ नहीं हैं तो क्रेडिट रेटिंग एजेंसी से व्याख्या करने के लिए जरूर कहना चाहिये कि यदि अस्वस्थ जनसंख्या का बढ़ना जारी है तो उसके द्वारा लागत को प्रदर्शित करने के प्रयास कितने प्रासंगिक हैं। किसी देश के लिए विकास का अंतिम मापक एक सेहतमंद राष्ट्र होना चाहिये।

—लेखक कृषि एवं खाद्य विशेषज्ञ हैं।

जन के मन को गण से जोड़ना होगा

—योगेन्द्र यादव—

जन के मन को गण के भाव से जोडना आज भारत की सबसे बड़ी चुनौती है। जाहिर है देश है तो जन है, चारों तरफ जनता है। जनता का राज भी है। जाहिर है जन का मन भी होगा ही। जन के पास अपने मन की बात कहने का मंच भले ही न हो, जनमत के भोंपुओं की कमी नहीं है।

जन के मन को गण के भाव से जोडना आज भारत की सबसे बड़ी चुनौती है। जाहिर है देश है तो जन है, चारों तरफ जनता है। जनता का राज भी है। जाहिर है जन का मन भी होगा ही। जन के पास अपने मन की बात कहने का मंच भले ही न हो, जनमत के भोंपुओं की कमी नहीं है। टी.वी., अखबार, सोशल मीडिया सब जनमत के दावेदार हैं। लेकिन जन के मन और जन के मत में सामंजस्य नहीं है। जनमानस और जनमत को जोडने वाला कोई पुख्ता सेतु नहीं है। जन के मन और मत में गण के संस्कार स्थापित करने का कोई तरीका नहीं है। गण के नाम पर भीड़ और तंत्र द्वारा गणतंत्र का अपहरण रोकने की कोई व्यवस्था नहीं है।

यही आज हमारी चुनौती है। इस बार दिल्ली में देश का 75वां गणतंत्र दिवस उसके 4 दिन पहले अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन की परछाईं में होगा। 22 जनवरी को संवैधानिक लोकतंत्र के प्रधानमंत्री अयोध्या में राम मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के यजमान होंगे। उनके साथ वहां के मुख्यमंत्री और राज्यपाल भी रहेंगे। नाम मर्यादा पुरुषोत्तम राम का होगा, लेकिन काम वोट बैंक का होगा जिसका मर्यादा, आस्था या धर्म से कोई लेना देना नहीं है। जनमानस की आस्था का दोहन करते हुए मीडिया के जरिए जनमत पर कब्जा होगा, गणतंत्र का अपहरण होगा। विरासत के नाम पर जनमानस को दिग्भ्रमित करने के इस राजनीतिक खेल का प्रभावी जवाब यही हो सकता है कि हम भारत की गहरी विरासत को याद करें, जनमानस में दबे छुपे इस संस्कार को जगाएं और गण के दायित्व को जीवित रखें।

इस लिहाज से जनवरी का महीना गणतंत्र के संस्कार को जगाने के लिए सबसे उपयुक्त है। सिर्फ इसलिए नहीं कि इस महीने में हमारा औपचारिक गणतंत्र दिवस मनाया जाता है, बल्कि इसलिए भी कि इस महीने में हमारे गानों के मूल भाव का प्रतिनिधित्व करने वाले अनेक पर्व और दिवस पड़ते हैं। 26 जनवरी का दिन हमारे गणतंत्र के मूल भाव की दोहरी अभिव्यक्ति करता है। यह हमारे संविधान के लागू होने के दिवस होने के नाते संविधान की प्रस्तावना और उसके पाठ में अंतध्र्नहित मूल्यों को याद करने का दिन है। साथ ही हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर को पारित भारतीय संविधान को 26 जनवरी को लागू करने का निर्णय राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान पूर्ण स्वराज के राष्ट्रीय संकल्प के दिवस को याद रखने के लिए किया गया था।

जनवरी का महीना हमें स्वतंत्रता संग्राम के योद्धाओं की याद दिलाता है। 23 जनवरी नेताजी सुभाष बोस की जयंती हमें आजाद हिंद फौज में सभी धर्म संप्रदायों के भारतीय योद्धाओं की भागीदारी की याद दिलाती है। 20 जनवरी सरहदी गांधी यानि खान अब्दुल गफ्फार खान की जयंती है जो अहिंसक संघर्ष की ताकत की याद दिलाती है। 9 जनवरी को आदिवासी विद्रोह उलगुलान का दिवस है। लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि 11 जनवरी हमें मर्यादा का पाठ पढ़ाती है। जनवरी का महीना सामाजिक न्याय के संवैधानिक मूल्य को याद करने का समय है। 3 जनवरी को सावित्रीबाई फुले और 9 जनवरी को फातिमा शेख की जयंती महिला शिक्षा और स्वतंत्रता के आंदोलन से जोड़ती है। 17 जनवरी को रोहित वेमुला का शहादत दिवस हमें याद दिलाता है कि सामाजिक न्याय का संघर्ष आज भी अधूरा है। इंकलाब जिंदाबाद का नारा देने वाले हसरत मोहानी की जयंती भी इसी माह में 1 जनवरी को पड़ती है।

यह महीना हमारे देश में धर्म और संस्कृति के उदार स्वरूप को पहचानने का समय है। देश में 13, 14, 15 जनवरी को संक्रांति के अवसर पर अलग—अलग नाम से त्यौहार मनाए जाते हैं जो किसी धर्म और जाति से बंधे हुए नहीं है। हिंदू धर्म की उदात्त व्याख्या करने वाले स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को है। गुरु गोबिंद सिंह की जयंती को 17 जनवरी को गुरुपर्व के रूप में मनाया जाता है।महात्मा गांधी का शहादत दिवस 30 जनवरी इस महीने के सभी सूत्रों को हमारे गणतंत्र से जोड़ता है। राम के भक्त की हिंदू उग्रवादी द्वारा हत्या राम के नाम पर चल रही समकालीन राजनीति से हमें आगाह करती है। गांधी जी का जीवन हमारी सभ्यता और संस्कृति के सर्वोच्च मूल्यों को सर्वधर्म समभाव से जोड़ता है। वर्ष 2024 भारतीय गणतंत्र के इतिहास में एक निर्णायक वर्ष होगा जो हमारे देश की दशा ही नहीं उसकी दीर्घकालिक दिशा भी तय कर देगा।

हिट एंड रन कानून को लेकर चक्का जाम यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें, पेट्रोल पंपों पर लगी भीड़

संवाददाता–गोण्डा। हिट एंड रन नए कानून के विरोध में मंगलवार की सुबह से ही जिले में धरना शुरू हो गया। रोडवेज बस के चालकों ने कानून के विरोध में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। सभी ने बस परिसर में ही खड़ी कर दी। इससे यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। हड़ताल के दूसरे दिन चालकों ने गोंडा अयोध्या राजमार्ग को जामकर जोरदार प्रदर्शन किया। केंद्र सरकार के सड़क मंत्रालय की ओर से नया कानून बनाया गया है। जिसके तहत वाहन चलाने पर किसी की मौत हुई तो चालक को सात लाख रूपये जुर्माना और 10 साल की सजा का प्रावधान है। इस कानून के विरोध में मंगलवार को दूसरे दिन जिले में विरोध जारी रहा। शहर में स्थित रोडवेज बस अड्डे परिसर में चालकों ने बस खड़ा कर दिया। सभी ने केंद्र सरकार के कानून का विरोध करते हुए प्रदर्शन शुरू कर दिया है। बस चालकों के धरने के चलते यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है। गोंडा जिले में मोटर व्हीकल एक्ट यानि हिट एंड रन कानून को लेकर के लगातार विरोध देखने को मिल रहा है। आज दूसरे दिन गोंडा–अयोध्या नेशनल हाईवे को जाम करके लोगों ने हड़ताल किया। वही जिले के सैकड़ो रोडवेज और प्राइवेट बसों के कर्मचारी भी हड़ताल पर हैं। जिससे यात्रा करने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रोडवेज बस डिपो पर दो दर्जन से अधिक बसें खड़ी हुई है। रोडवेज बसों के ड्राइवर हड़ताल पर है। वही सैकड़ों प्राइवेट बसें भी बस स्टॉप पर खड़ी हुई है। उनके भी ड्राइवर हड़ताल कर रहे हैं। वहीं गोंडा रोडवेज बस डिपो पर अपने घरों को जाने के लिए आए यात्रियों को ना तो सरकारी बस मिल रही है, ना ही प्राइवेट बस मिल रही है। वह रोडवेज बस स्टेशन पर खड़े होकर के बस का इंतजार कर रहे हैं। काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं हड़ताल कर रहे ड्राइवर की मांग है की हिट एंड रन कानून जो सरकार लेकर आ रही है। वह पूरी तरीके से कानून गलत है। क्योंकि अगर किसी मेरे बस से किसी को ठोकर लग जाती है। और उसकी मृत्यु हो जाती है। तो हम लोगों को जेल जाना होगा। और 10 लाख रुपए का जुर्माना देना होगा। यह कानून वापस जब तक नहीं होता है। जब तक हम लोग हड़ताल करेंगे। और अपने बसों का संचालन पूरे जिले में नहीं करेंगे।

एसपी ने भिटौली व ठूठीबारी के एसओ को किया लाइन हाजिर

संवाददाता–महराजगंज। जिले में कार्यभार ग्रहण करने के बाद एसपी सोमेन्द्र मीना ने पहली बार पुलिस महकमा में फेरबदल किया है। इस कार्रवाई में दो थानेदारों को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ गई है। एसपी ने उन्हें लाइन हाजिर कर दिया है। कुशीनगर से स्थानांतरित होकर आए दो निरीक्षकों को थानों को कमान सौंपा है। इसके अलावा तीन थाना में थानेदारों की फेर बदल किया है। पुलिस कार्यालय के मीडिया सेल के मुताबिक भिटौली थाना के प्रभारी निरीक्षक रामाज्ञा सिंह व इंडो–नेपाल बार्डर के ठूठीबारी कोतवाली की महिला एसओ कंचन राय को लाइन हाजिर किया गया है। भिटौली थाना में इंस्पेक्टर पंकज कुमार गुप्ता को नया प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। मूलतरू पटना के रहने वाले पंकज कुमार गुप्ता काफी पहले जिले में अपनी सेवा दे चुके हैं। घुघली थानाध्यक्ष नीरज राय को ठूठीबारी कोतवाली का एसओ बनाया गया है। नीरज राय इसके पहले ठूठीबारी कोतवाली के सीमावर्ती पुलिस चौकी लक्ष्मीपुर खुर्द के प्रभारी रह चुके हैं। पुलिस लाइन में तैनात इंस्पेक्टर निर्भय कुमार सिंह को पनियरा थाना का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है।

वह कुशीनगर जनपद से स्थानांतरित होकर आए हैं। इसके पहले भी जिले के कई महत्वपूर्ण थानों के प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। पनियरा थाना के एसओ देवेन्द्र कुमार सिंह को स्वाट टीम का प्रभारी बनाया गया है। स्वाट टीम प्रभारी योगेश कुमार सिंह को घुघली थाने का एसओ बनाया गया है। वह बस्ती से स्थानांतरित होकर जिले में आए हैं। परसामलिक थाना के एसओ सुधाकर प्रसाद को सोहगीबरवा का थानाध्यक्ष बनाया गया है। सोहगीबरवा के एसओ प्रिंस कुमार को परसामलिक थाना का एसओ बनाया गया है।

बिजली बकायादारों के लिए खुशखबरी मिलेगी बड़ी छूट, बढ़ाई गई एकमुश्त समाधान योजना की तारीख

संवाददाता–गोण्डा। यूपी पावर कारपोरेशन ने प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं को राहत देते हुए एकमुश्त समाधान योजना की तारीख बढ़ा दिया है। पहले यह योजना 8 नवंबर से 31 दिसंबर तक के लिए चलाई गई थी। बिजली के बकायादार उपभोक्ताओं ने इस योजना का लाभ लेने के लिए काफी उत्साह दिखा। योजना के प्रति विद्युत उपभोक्ताओं की रुझान को देखते हुए योजना की तारीख अब बढ़ा दी गई है। समय सीमा के भीतर बिजली उपभोक्ता इसका लाभ उठा सकते हैं। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन ने एकमुश्त समाधान योजना के लाभ का पंजीयन 16 जनवरी तक बढ़ा दिया है। जिससे बकायेदार और बिजली चोरी के मामलों में नए सिरे से पंजीयन कराकर इसका अधिकतम फायदा उठा सकते हैं। इस योजना के लिए 31 दिसंबर तक ऊर्जा विभाग को 5150 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। जबकि उपभोक्ताओं को 1731 करोड़ रुपये की छूट मिली है। प्रदेश में, 8 नवंबर से 31 दिसंबर तक, एकमुश्त समाधान योजना का आयोजन किया गया था। इस अवधि में उपभोक्ताओं ने योजना को लेकर उत्साह दिखाया। पावर कारपोरेशन ने लोगों के प्रति रुझान को देखते हुए योजना की अवधि को 16 जनवरी 2024 तक बढ़ा दिया है। इससे उपभोक्ताएं 16 जनवरी तक ओटीएस के तहत छूट का लाभ उठा सकते हैं। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने मीडिया को दिए गए बयान में बताया कि तीन चरणों में 31 दिसंबर तक, लगभग 47 लाख से अधिक उपभोक्ताएं योजना के तहत छूट प्राप्त कर चुकी हैं। प्रदेश में आठ नवंबर से 31 दिसंबर तक एकमुश्त समाधान योजना चलाई गई। इस दौरान उपभोक्ताओं में योजना को लेकर काफी उत्साह दिखा। लोगों के रुझान को देखते हुए पावर कारपोरेशन ने योजना की अवधि को 16 जनवरी 2024 तक बढ़ा दी है। अब उपभोक्ता 16 जनवरी तक ओटीएस के तहत छूट का लाभ ले सकेंगे। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने जारी बयान में बताया कि तीनों चरणों में 31 दिसंबर तक करीब 47 लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने योजना के तहत छूट प्राप्त किया है। अधीक्षण अभियंता ने बताया कि योजना में एक किलोवाट से अधिक भार वाले घरेलू उपभोक्ताओं को एकमुश्त भुगतान के साथ किश्तों में भुगतान के दो विकल्प दिए गए हैं। बकाये का पूर्ण भुगतान पर 90 फीसदी की छूट, तीन किश्तों में भुगतान पर 80 फीसदी की छूट तथा छह किश्तों भुगतान पर 70 फीसदी की छूट मिलेगी। इसके पश्चात के चरणों में दोनों विकल्पों में भुगतान पर क्रमशः 10 प्रतिशत कम की छूट मिलेगी। उन्होंने बताया कि किश्तों को नियत अवधि में जमा न करने पर 12 किश्तों के मामले में अधिकतम कुल 3 डिफाल्ट (निर्धारित तिथि पर जमा न करने) की अनुमति होगी। किसी भी उपभोक्ता को लगातार 2 डिफाल्ट की अनुमति नहीं होगी। इसी प्रकार 6 किश्तों के प्रकरण में केवल एक डिफाल्ट की अनुमति होगी। तथा 6 किश्तों से कम के मामलों में कोई डिफाल्ट की अनुमति नही होगी।

हड़ताल से बढ़े सब्जियों के दाम, पेट्रोल पंपों पर उमड़ी भीड़

संवाददाता–बलरामपुर। ट्रकों का संचालन बंद होने से बाहर से आने वाली सब्जियों के दाम में उछाल आया है। पेट्रोल पंपों पर डीजल व पेट्रोल खरीदने वाले लोगों की भी भीड़ जुटी रही। परिवहन निगम की कुछ बसों का संचालन तो किया गया, लेकिन यात्रियों को राहत नहीं मिली। चीनी मिलों में आपूर्ति कम होने से गन्ना पेराई की गति धीमी करनी पड़ी है। चालकों के हड़ताल से ई–रिक्शा चालकों की चांदी है। ट्रक ऑनर एसोसिएशन पदाधिकारियों ने गृहमंत्री का संबोधित ज्ञापन एआरटीओ को देकर काला कानून समाप्त किए जाने की मांग की है। वाहन चालकों के हड़ताल से यात्रियों की दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं। हड़ताल मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रही। सुबह आठ बजते–बजते परिवहन निगम बस स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ जमा हो गई। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक बीके वर्मा ने देवी पाटन मंडल परिक्षेत्र के एआरएम अंकुर विकास को स्थिति से अवगत कराया। वह एक घंटे के भीतर बलरामपुर पहुंच गए। कहा कि सभी स्थाई व संविदा चालकों को बुलाकर परिवहन व्यवस्था बहाल कराई जाए। यदि रास्ते में किसी प्रकार की घटना होती है तो उसकी जिम्मेदारी परिवहन निगम उठाने को तैयार है। उस समय वहां पांच चालक मौजूद थे। दो लखनऊ, एक दिल्ली, एक अयोध्या व एक बस बढ़नी सिद्धार्थनगर के लिए रवाना कर दी गई। उधर प्राइवेट बस व ट्रक चालकों ने हड़ताल समाप्त करने से साफ मना कर दिया। कहा कि वे कानून वापस लिए जाने तक समय–समय पर हड़ताल करते रहेंगे। दर्जनों यात्री वीर विनय चौराहा व निगम बस स्टाफ पर बैठकर वाहनों की प्रतीक्षा करते दिखे। बहराइच, सिद्धार्थनगर, गोंडा, सादुल्लाह नगर, उतरौला, रेहरा बाजार, महराजगंज तराई, ललिया, भिनगा व गौरा चौराहा के लिए कोई बस नहीं गई। अधिकांश लोगों ने यात्रा स्थगित कर अपने घर चले गए। ट्रकों व बसों के हड़ताल से ई–रिक्शा संचालकों की चांदी रही। वे उतरौला, श्रीदत्तगंज, मथुरा बाजार, ललिया, महराजगंज तराई, हरैया सतघरवा, तुलसीपुर, गैसड़ी व गौरा चौराहे तक सवारियां ढोते रहे। यात्री उन्हें मजबूरी वश मुंहमांगी कीमत देने को तैयार थे। यह बात हड़ताली चालकों को पता चला तो वे ऐक्शन में आ गए। वीर विनय चौराहा, संतोषी माता तिराहा, अम्बेडकर तिराहा, भगवतीगंज व डिग्री कॉजेल के पास ई–रिक्शा में बैठे यात्रियों को जबदस्ती उतार दिया, लेकिन ई–रिक्शों का संचालन बंद नहीं कराया गया। ई–रिक्शा चलान वाले लोग दिन भर व्यस्त रहे। वे बैट्री चार्ज कर सड़कों पर फर्राटा भरते दिखे। प्राइवेट मोटर बस यूनियन अध्यक्ष जब्बार खां ने बताया कि जिले में व्यवसायिक वाहन चालकों की संख्या कम है। वे कानून के भयवश वाहन न चलाने की बात कह रहे हैं। हड़ताल के कारण यात्रियों को काफी दिक्कत उठानी पड़ रही है, जो दुःखद है। उन्होंने बताया कि हड़ताल कब खत्म होगा, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। ट्रकों का संचालन ठप होने से सब्जियों के दाम में उछाल आया है। आढ़तिया मोहम्मद मारुफ ने बताया कि बाहर से आने वाले सब्जियों की आवक बंद हो गई है। दस रुपए में बिकने वाला आलू अब 16 से 18 रुपए में बिक रहा है। टमाटर का मूल्य बढ़कर 20 से 40 रुपए तक पहुंच गया है। 30 रुपए में बिकने वाला मटर 50 रुपए के भाव पहुंच गया है। प्याज का दाम बढ़कर 25 से 50 रुपए हो गया है। स्थानीय स्तर पर उत्पादित सब्जियों के मूल्य में कोई वृद्धि नहीं हुई है।

टैंकर न आने से जिले में डीजल व पेट्रोल की किल्लत हो गई है। हड़ताल लम्बी खिंच सकती है, यह मानकर वाहन चालकों ने मंगलवार को लाइन लगाकर डीजन पेट्रोल खरीदे।

नए साल पर बेटियों के खातों में पहुंची प्रोत्साहन राशि

संवाददाता–बहराइच। आखिरकार नए साल पर बेटियों के खातों में प्रोत्साहन राशि पहुंच गई। ढाई माह से बेटियां प्रोत्साहन राशि को लेकर विभाग का चक्कर काट रही थी। तकनीकी गड़बड़ी का हवाला देकर विभाग जल्द भुगतान का हवाला दे रहा था। सभी 20 बेटियों के खातों में नववर्ष पर 5000 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि आवंटित कर दी गई। धन मिलने पर बेटियों ने हिन्दुस्तान को धन्यवाद कहा।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर 11 अक्टूबर को इंदिरा स्टेडियम में पोस्टर प्रतियोगिता कराई गई थी। प्रावेशन व बेसिक विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रदर्शनी में 20 बेटियों की पेंटिंग का चयन किया गया था। जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की ओर से इन बेटियों को 5000–5000 रुपये का डेमो चेक व प्रशस्ति पत्र दिया गया था। धन उनके खातों में भेजे जाने का आश्वासन दिया था। नवंबर तक प्रोत्साहन राशि न मिलने पर बेटियां प्रोवेशन व बैंकों का चक्कर काट कर थक गईं। अधिकारियों ने तकनीकी गड़बड़ी का हवाला देकर दिसंबर तक भुगतान होने की बात कही। मामला उच्चाधिकारियों के पटल पर पहुंचा। 10 दिनों में तकनीकी समस्याओं व खातों को दुरुस्त कर नववर्ष पर बेटियों के खातों में धन पहुंच गया। कक्षा 10 की छात्रा अपूर्वा तिवारी ने बताया कि हिन्दुस्तान में खबर प्रकाशन के बाद विभाग के अधिकारी खुद संपर्क किए और धन आने की सूचना भी उन्होंने ही दी। सभी 20 बालिकों को 5000–5000 रुपये खातों में भुगतान कर दिया गया है। विनय कुमार सिंह, जिला प्रोवेशन अधिकारी ने कहा कि तकनीकी खामियों व खातों को दुरुस्त कराकर सभी को धन आवंटित हो गया है। खाता सही न होने से भुगतान में देरी हुई।

आखिर तीन माह बाद हो गया समिति का गठन

संवाददाता–श्रावस्ती। विकास क्षेत्र जमुनहा की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत हरदत्तनगर गिरंट में तीन माह से विकास काम प्रभावित है। ग्राम प्रधान का वित्तीय अधिकार सीज होने के बाद तीन सदस्यीय टीम गठन का आदेश दिया गया था। जिसकी बैठक होने के बाद समिति का गठन नहीं हो पा रहा था। मंगलवार को आयोजित बैठक में तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया। ग्राम पंचायत विकास अधिकारी हरदत्तनगर गिरंट राम दर्शन ने दो बार सदस्यों की बैठक बुलाई थी। जिसमें कोरम पूरा न होने के कारण बैठक स्थगित कर दी गई थी। मंगलवार को एक बार फिर से बैठक बुलाई गई। ग्राम पंचायत सदस्य रमेश कुमार केवट की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत सचिवालय में ग्राम विकास अधिकारी राम दर्शन की देख रेख में सदस्यों की बैठक की गई। जिसमें तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

संवाददाता–बहराइच। नानपारा के शिवपुर बाईपास मलंगपुरवा के पास सोमवार रात किसी तेज रफ्तार वाहन ने पैदल जा रहे युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश की पहचान के प्रयास किए। पहचान न होने पर फोटोग्राफी व वीडियो ग्राफी कराकर मर्च्युरी में पहचान को रखवाई गई है। नियमानुसार 72 घंटे बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा। नानपारा कोतवाली के शिवपुर बाईपास के पास सोमवार रात लगभग 11बजे तेज रफ्तार वाहन ने सड़क के किनारे पैदल जा रहे युवक को टक्कर मार दी। जिससे युवक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। दुर्घटना होते ही चालक वाहन सहित फरार हो गया। उधर से निकल रहे राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश कब्जे में लेकर पहचान के प्रयास किए। पहचान न हो पाने से फोटोग्राफी व वीडियो ग्राफी कराकर मर्च्युरी में पहचान को रखवाया है। कोतवाल मिथलेश कुमार राय ने बताया कि तहकीकात की जा रही है।

अयोध्या के साथ देश के प्रत्येक घर में पहुंचाया जा रहा है रामलला का निमंत्रण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। 500 वर्षों का इंतजार समाप्त हुआ 22 जनवरी को भगवान श्री राम के जन्म स्थान पर श्री राम लला विराजमान होंगे के पूर्व पूरे देश को जोड़ने का कार्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद कर रहा है इसका प्रारंभ अयोध्या से 1 जनवरी से हो गया है और अब अयोध्या के साथ पूरे भारत में घर–घर जाकर के श्री राम लला का निमंत्रण पहुंचा जा रहा है और यह संदेश दिया जा रहा है कि सुबह 11 से दिन में 2 बजे तक अपने निकटतम मंदिर में 22 तारीख को भजन पूजन करें और हो सके तो टीवी लगा करके प्राण प्रतिष्ठा का लाइव कार्यक्रम लोगों को दिखाएं और शाम को कम से कम अपने घर पर पांच दीपक जलाए जाएं जिससे यह संदेश जाए की हमारे पूर्वजों का संघर्ष सफल हुआ और रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो गए है।

अयोध्या की श्री राम लाल नगर में नगर के संघ चालक श्रीराम आश्रम के महंत जयराम दास के संयोजन में सह संपर्क प्रमुख मनोज जी ने लोगों के घर–घर जाकर के प्रभु श्री राम लाल का निमंत्रण दिया और बताया कि यह ऐतिहासिक क्षण है जिसमें प्रत्येक सनातनी को अपने–अपने यथाशक्ति के अनुसार जुड़ना चाहिए और प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को भव्य बनाना चाहिए। महंत जयराम दास ने बताया कि 1 जनवरी से श्री राम लला का निमंत्रण पहुंचने का कार्य घर–घर किया जा रहा है और 15 जनवरी तक भारत के प्रत्येक घर से हम लोग जुड़ करके रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में सम्मिलित होने के लिए प्रत्येक भारतवासी को निमंत्रण देंगे और उनको संदेश भी देंगे कि आप जहां हो वहीं ही प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के उल्लास में डूब जाओ भजन कीर्तन करो शाम को दीपक जलाओ और 22 जनवरी के बाद अपने समय और सुविधा के अनुसार अयोध्या पहुंचकर भव्य नव्य दिव्या मंदिर में दर्शन कर श्री राम लाल का आशीर्वाद प्राप्त करें।

3.60 लाख रुपये की चरस संग एक आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में पुलिस ने 3.60 लाख रुपये का चरस बरामद किया। बरामद चरस को जब्त कर पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह की ओर से अवैध मादक पदार्थो की तस्करी व बिक्री की रोकथाम के लिए सभी प्रभारी निरीक्षक व थाना प्रभारियों को जरूरी निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में मंगलवार को गिलौला थाने के थानाध्यक्ष शैलकान्त उपाध्याय पुलिय टीम के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। क्षेत्र भ्रमण के दौरान पुलिस ने तिलकपुर नहर पटरी के पास से एक व्यक्ति के कब्जे से 1.200 किलोग्राम चरस बरामद किया। जिसकी कीमत 3.60 लाख रुपये आंकी गई। बरामद चरस को जब्त कर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान कलीम पुत्र दरबारी निवासी ग्राम बैजनाथपुर थाना हरदत्त नगर गिरन्ट के रूप में हुई।

गन्ना मूल्य वृद्धि को लेकर भाकियू ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–गोण्डा। गन्ना मूल्य वृद्धि को लेकर भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने जिला मुख्यालय और तरबगंज तहसील में मंगलवार को अफसरों को ज्ञापन सौंपा। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में कहा गया है कि भाकियू प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात कर गन्ना मूल्य वृद्धि की मांग की थी। जिलाध्यक्ष शिवराम उपाध्याय और उपाध्यक्ष अभिनंदन सिंह ने कहा कि सीएम के आश्वासन के बाद भी इसे पूरा नहीं किया गया है।

बेटियों की पढ़ाई–सुरक्षा का जिम्मा उठा रही सरकार –विधायक

संवाददाता–गोण्डा। स्थानीय तहसील सभागार में मंगलवार को विधायक प्रेम नारायण पांडेय और एसडीएम ने निर्धन, असहाय व दिव्यांग लोगो को कंबल वितरण किया। विधायक ने कहा कि बेटियों के पोषण, पढ़ाई और सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्र और राज्य की सरकार बखूबी निभा रही है। क्षेत्र में अराजकता समाप्त हो गई है। विधायक प्रेम नरायन पांडेय ने कहा कि आपदा से निपटने की क्षमता केवल मोदी और योगी सरकार में है। एक दौर था कि थाने में गैस बंटती थी, अब घर–घर गैस पहुंच रही है। निर्धनो की बेटियों की शादी सामूहिक विवाह के माध्यम से सरकार जिम्मेदारियां उठा रही है। पिछले एक पखवाड़े में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंजूरी से क्षेत्र में केवल गंभीर रोग से पीड़ित लोगों को 35 लाख की सहायता दिलाई जा चुकी है। यदि किसी के पास आयुष्मान कार्ड नहीं है। तो वह हमे अस्पताल के खर्च का विवरण उपलब्ध करा दे। मुख्यमंत्री कोष से सहायता राशि पहुंच जाएगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीएम भारत भार्गव ने कहा कि हर ग्राम पंचायत में कंबल वितरण के लिए भेजा जा चुका है। सरकारी सहायता के अलावा सक्षम लोगों को भी ठंड से बचाव के लिए बुजुर्गों की सहायता में आगे आना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान नायब तहसीलदार रंजन कुमार, बार एसोसिएशन मंत्री रवींद्रनाथ पांडेय, नेता शिक्षक नेता अजीत सिंह,संदीप मिश्रा, समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
अर्न्तगत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0
M.N.R.N0. 49/2023
राम हंसदास
बनाम
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय फैजाबाद हर खासो आम
मृतक–गोवर्धन दास चेला रामहंस दास निवासी भवन संख्या 25/5/58 मोहल्ला वासुदेवघाट सुतीक्षण आश्रम परगना– हवेली अवध तहसील सदर जिला – अयोध्या
मृत्यु दिनांक–24/09/2003
पेशी दिनांक– 18–01–2024

अपने मृतक को देय ऋण औरं प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2024 के माह 01 के 18 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 18–01–2024 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
अर्न्तगत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0
M.N.R.N0. 43/2023
कंचन गुप्ता
बनाम
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय फैजाबाद हर खासो आम
मृतक–अरूण कुमार गुप्ता पुत्र राम प्यारे गुप्ता निवासी दर्शन नगर उत्तरी फाटक कूढा केशवपुर परगना– हवेली अवध तहसील सदर जिला– अयोध्या
मृत्यु दिनांक–27/04/2021
पेशी दिनांक– 14–01–2024

अपने मृतक को देय ऋण औरं प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2024 के माह 01 के 14 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 14–01–2024 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
अर्न्तगत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0
M.N.R.N0. 77/2022
श्रीमती ज्ञानमती
बनाम
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय फैजाबाद हर खासो आम
मृतक–राधेश्याम पुत्र सहतू निवासी ग्राम– बबुआपुर परगना– हवेली अवध तहसील सदर जिला – अयोध्या
मृत्यु दिनांक–10/05/2021
पेशी दिनांक– 19–01–2024

अपने मृतक को देय ऋण औरं प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2024 के माह 01 के 19 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 19–01–2024 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद के द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
अर्न्तगत धारा 372 उत्तराधिकार अधि0
M.N.R.N0. 117/2023
विनय कुमार यादव
बनाम
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कलेक्टर महोदय फैजाबाद हर खासो आम
मृतक–पराग लाल पुत्र स्वर्गीय टीड़ी निवासी ग्राम– बरहटा परगना– हवेली अवध तहसील सदर जिला – अयोध्या
मृत्यु दिनांक–05/07/2023
पेशी दिनांक– 10–01–2024

अपने मृतक को देय ऋण औरं प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये उत्तराधिकार प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये प्रार्थना–पत्र के अर्न्तगत धारा 372 अधिनियम संख्या 39 सन 1925 ई0।

चूंकि श्री निवासी ग्राम परगना तहसील जिला ने उत्तराधिकार प्रमाण–पत्र की अभिप्राप्ति के लिये आवेदन किया और 2024 के माह 01 के 10 दिवस का आवेदन की सुनवाई के लिये तिथि निश्चित की गयी है।

अतः यह उद्घोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उपरोक्त आवेदन के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो वह स्वयं अथवा अधिवक्ता द्वारा न्यायालय सिविल जज जू0डि0 सदर फैजाबाद के न्यायालय में दिनांक 10–01–2024 को अपरान्ह 10 बजे उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा उक्त तिथि के अवसान पर किसी की कोई आपत्ति नहीं सुनी जायेगी और प्रार्थना पत्र पर यथोचित आदेश पारित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक माह सन ई0 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद
मूल वाद सं. 779/2023
दिनेश कुमार
बनाम
सुरेश कुमार आदि
बनाम–1– सुरेश कुमार 2– राजेश कुमार पुत्रगण राम प्रगट 3– श्रीमती सावित्री देवी पत्नी राम प्रगट समस्त निवासीगण ग्राम– पूरे अल्पी दूबे मौजा बरौली परगना खण्डासा तहसील मिल्कीपुर जनपद– अयोध्या
तारीख पेशी 05–01–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 01 के 05 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद
मूल वाद सं. 1111/2023
नुरूल हसन
बनाम
हरिशंकर तिवारी आदि
बनाम–1– हरिशंकर तिवारी पुत्र ब्रम्हादीन निवासी मौजा अंकारीपुर (पुरैब्बाया) परगना अमसिन तहसील सदर जनपद–फैजाबाद वर्तमान जिला अयोध्या 2– जुलेखा पत्नी हाजी मो0 शब्बीर 3– मेहरून्निशां पत्नी हाजी मो0 नसीर निवासी मोहल्ला अंसार नगर कस्बा गोसाईगंज परगना अमसिन तहसील सदर जिला– अयोध्या 4– श्रीमती निशात फातिमा पत्नी महबूब आलम निवासी मोहल्ला शहीदबारी कस्बा गोसाईगंज परगना अमसिन तहसील सदर जिला– अयोध्या 5– इसमतुन्निशा पत्नी इब्ने हसन निवासी मोहल्ला तेलियागढ परगना अमसिन तहसील सदर जिला– अयोध्या 6– नौशाद उर्फ जैनुल आब्दीन मौजा जमुनीपुर परगना अमसिन तहसील सदर जिला– अयोध्या 7– मीना बानो पत्नी मो. आजम मौजा कल्याणपुर छितौना (आगागंज टिकरी) परगना पश्चिम राठ तहसील बीकापुर जिला – अयोध्या 8– ऐजाज अहमद 9– जावेद अख्तर पुत्रगण मुस्ताक अहमद निवासीगण मौजा पकरैला परगना अमसिन तहसील सदर जिला– अयोध्या
तारीख पेशी 10–01–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 01 के 10 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) सदर महोदय फैजाबाद
मूल वाद सं. 601/2023
शक्ति सामन्त मौर्य
बनाम
उदयराजी आदि
बनाम–1– उदयराजी पत्नी लक्ष्मणाचार्य 2– शशिबाला चतुर्वेदी पत्नी स्वर्गीय मुरलीधर चतुर्वेदी 3– दिव्यांजलि पत्नी विकास गौतम पुत्री स्वर्गीय मुरलीधर चतुर्वेदी समस्त निवासीगण ग्राम– कूढा केशवपुर पोस्ट– दर्शन नगर परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला– अयोध्या
तारीख पेशी 09–01–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 01 के 09 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 24 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

हड़ताल से कहीं खत्म न हो जाये स्टाक, पेट्रोल भराने की मची होड़

संवाददाता–गोरखपुर। देश में हिट एंड रन कानून में संशोधन के विरोध में ट्रक चालकों की हड़ताल मंगलवार को भी गोरखपुर में जारी है। इसके चलते पेट्रोल–डीजल का संकट बढ़ गया है। पेट्रोल पंप ड्राई होने की आशंका के चलते बड़ी संख्या में लोग पेट्रोल पंप पर तेल भरवाने पहुंच रहे हैं। शहर के टाउनहाल स्थित पेट्रोल पंप पर लोगों की लंबी लाइन लगी रही। वहीं यूनिवर्सिटी पेट्रोल पंप, नौसड़ सहित कई पेट्रोल पंपों पर लोगों की भीड़ लगी हुई है। भीड़ बढ़ने के चलते पंप संचालकों की परेशानी बढ़ गई है। उनका कहना है कि पेट्रोल–डीजल का स्टॉक सिमित है। अगर दो दिन में स्टाक नहीं आया तो संकट और बढ़ जाएगा। वहीं ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में यात्री ऑटो का सहारा ले रहे हैं उन्हें हड़ताली रोक रहे हैं। सवारी उतारकर मारपीट करने पर उतारू हो रहे हैं। इस बीच पुलिस ने कई आटो चालकों का चालान किया जो व्यवधान उत्पन्न कर रहे थे।

दरअसल, देशभर में चल रहे इस आंदोलन का असर गोरखपुर में और बड़ा होता दिख रहा है। आलम यह है कि भोर से ही बस और ऑटो ड्राइवर जहां–तहां अपनी गाड़ी खड़ी कर चले गए। इससे यातायात व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है। दरअसल, नए कानून के तहत हिट एंड रन केस में अब 10 लाख रुपये का जुर्माना और सात साल सजा तय कर दी गई है। इसे लेकर देशभर में ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने विरोध की अगुवाई की है। सभी शहरों में चक्का जाम कर दिया गया है। वहीं, इसके विरोध में विभिन्न यूनियनों की एक बैठक जिला प्रशासन के साथ हुई। लेकिन, इसका नतीजा बेअसर साबित हुआ। जिसे लेकर के सभी वाहन चालक, वाहन स्वामी, विभिन्न ट्रक एसोसिएशन, बस आपरेटर एसोसिएशन, टेंपो संचालक संगठन, टैंकर संगठन, ई–रिक्शा संगठन, के साथ प्राइवेट कार टैक्सी संगठन ने भी इस पर अपना विरोध दर्ज कराया। साथ ही संबंधित अधिकारियों के जरिए केंद्र सरकार को ज्ञापन भी सौंपा। जिसमें केंद्र सरकार को अवगत कराया कि इस कानून के भय को देखते हुए व्यावसायिक परिवहन के माध्यम जैसे ट्रक, बस, टैक्सी, टेंपो, ट्रैक्टर आदि के चालक वाहन चलाने को तैयार नहीं हैं। कानून के भय से ऑपरेटरो को भी दिक्कत हो रही है। यह जो कानून संसद में बनाया गया है, उसमें 106 की उप धारा 2 में जो प्रावधान दिया गया है। वह एक तरह का काला कानून होगा। सभी प्रकार के चालकों के लिए चाहे वह दो पहिया वाहन चालक हो और या फिर किसी भी किसी भी चालक को ऐसी समस्या उत्पन्न होने की वजह से भय की स्थिति बनी हुई है।

बैठक में ट्रांसपोर्ट के ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के प्रदेश महामंत्री आरपी सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारी विनोद दूबे, प्रदेश संगठन मंत्री से अजय शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद सिंह, अशोक यादव, रंजन त्रिपाठी समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से ट्रैक्टर चालक की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले के कोतवाली खलीलाबाद अंतर्गत कांटे पुलिस चौकी क्षेत्र के चुरेब ओवर ब्रिज के पास मंगलवार को तेज रफ्तार पिकअप ने एक ट्रैक्टर को पीछे से ठोकर मार दिया। इस घटना में ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पिकअप चालक पिकअप छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिवार के लोगों ने बताया कि आनंद तिवारी (55) पुत्र स्वर्गीय वशिष्ठ तिवारी कांटे पुलिस चौकी क्षेत्र के डड्वा गांव के रहने वाले थे। सुबह करीब साढ़े सात बजे वह खेत में पानी चलाने के लिए अपने ट्रैक्टर पर पंपिंग सेट लादकर कर कौवाटार के पास गेहूं की सिंचाई करने जा रहे थे। इसी बीच चुरेब ओवर ब्रिज से करीब 50 मीटर पश्चिम अंडा लदी एक तेज रफ्तार पिकअप ने ट्रैक्टर को पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर इतनी तेज थी कि पिकअप ट्रैक्टर को करीब 40 मीटर तक घसीटता चला गया। टक्कर कितनी जोरदार थी यह इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि ट्रैक्टर के पर परखच्चे उड़ गए। साथ ही पंपिंग सेट पूरी तरह बर्बाद से गया। घटना की सूचना मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए। आनंद तिवारी बहुत ही मिलनसार स्वभाव के थे। उनकी मौत की सूचना मिलते ही सैकड़ों की संख्या में लोग उन्हें देखने मौके पर पहुंच गए। लोग उनके हंसमुख स्वभाव की चर्चा करते हुए रोने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

17 जनवरी को सार्वजनिक होगी मूर्ति, मीडिया में वायरल हो रही प्रतिमा पर ट्रस्ट ने तोड़ी चुप्पी

संवाददाता–अयोध्या। भव्य राम मंदिर में स्थापित करने के लिए रामलला की तीन मूर्तियों में से एक मूर्ति का चयन हो गया है। हालांकि, इसको लेकर श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से कोई बयान जारी नहीं किया गया है। ट्रस्ट के सूत्र बताते हैं कि नई मूर्ति 17 जनवरी को सार्वजनिक की जाएगी। इस दिन रामलला यानी चयनित अचल मूर्ति को शोभायात्रा के जरिये नगर भ्रमण कराया जाएगा। सोशल मीडिया पर मूर्तिकार अरुण योगीराज की फोटो के साथ रामदरबार की वायरल हो रही मूर्ति के सवाल पर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का कहना है कि वे इस पर कुछ नहीं कहेंगे। रामलला की अचल मूर्ति के दर्शन के लिए इंतजार करना होगा। उधर, राममंदिर ट्रस्ट के सदस्य कामेश्वर चौपाल ने साफ कहा है कि अफवाहों पर ध्यान न दें। गर्भगृह में रामदरबार नहीं बल्कि रामलला की बाल स्वरूप प्रतिमा स्थापित की जाएगी। कौन सी प्रतिमा स्थापित होनी है, इसका अंतिम निर्णय ट्रस्ट को ही करना है। हालांकि, यह लगभग तय है कि कर्नाटक के प्रख्यात मूर्तिकार अरुण योगीराज की बनाई गई रामलला की मूर्ति राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठित की जाएगी। पिछले दिनों मूर्ति चयन को लेकर हुई वोटिंग में योगीराज की ओर से कृष्णशिला पर बनाई गई मूर्ति पर सहमति बन गई है। इंटजार सिर्फ ट्रस्ट की ओर से आधिकारिक घोषणा करने का है। उधर, सोशल मीडिया पर भी अरुण योगीराज की बनाई मूर्ति के चयन की खबरें वायरल हो रही हैं। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा ने भी अरुण योगीराज की अचल मूर्ति के चयन की बात कही है। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने भी एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी दी है कि तीन मूर्तिकारों में से कर्नाटक के जाने माने मूर्तिकार योगीराज अरुण की बनाई मूर्ति पर मुहर लगी है। अरुण योगीराज मूलतः कर्नाटक के मैसूर से हैं। उनके परिवार में एक से बढ़कर एक मूर्तिकार रहे हैं। उनकी पांच पीढ़ियां मूर्ति बनाने या तराशने का काम कर रही हैं। अरुण को बचपन से ही मूर्ति बनाने का शौक था। अरुण ने एमबीए किया है। इसके बाद वो एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करने लगे, लेकिन मूर्तिकला को नहीं भूल पाए। आखिरकार साल 2008 में जॉब छोड़कर उन्होंने मूर्तिकला में कॅरियर बनाने का रिस्क लिया। उनका रिस्क सफल रहा। वे देश के जानेमाने मूर्तिकार बन गए। अरुण योगीराज ने इंडिया गेट पर लगी नेता जी सुभाष चंद्र बोस की 30 फीट की मूर्ति तैयार की थी। इस मूर्ति को बोस की 125वीं जयंती पर लगाया गया था। इस दौरान अरुण ने पीएम मोदी को भी बोस की दो फीट की प्रतिमा भेंट की थी। इसके लिए अरुण योगीराज का पीएम मोदी ने आभार भी जताया था। अरुण के दादा बसवन्ना शिल्पी भी जाने माने मूर्तिकार थे। उन्हें मैसूर के राजा का संरक्षण हासिल था।

अग्निविर भर्ती रैली में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

संवाददाता–गोरखपुर। भर्ती को देखते हुए पुलिस की तरफ से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। अभ्यर्थियों के आने जाने, उनके ठहरने इत्यादि की व्यवस्था की गई है। सेना भर्ती कार्यालय के अधिकारियों ने कहा दलालों से सावधान रहें। किसी भी जानकारी के लिए कार्यालय में संपर्क करें। भर्ती में शामिल होने के लिए प्रतिदिन करीब 1500 अभ्यर्थियों को बुलाया गया है। पहले दिन की दौड़ में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी सोमवार की शाम ही पहुंच गए। भर्ती को देखते हुए पुलिस की तरफ से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। अभ्यर्थियों के आने जाने, उनके ठहरने इत्यादि की व्यवस्था की गई है। सेना भर्ती कार्यालय के अधिकारियों ने कहा दलालों से सावधान रहें। किसी भी जानकारी के लिए कार्यालय में संपर्क करें। एमएमएमयूटी परिसर में अग्निवीर भर्ती की तैयारी चलती रही। दो जनवरी से शुरू होकर 20 जनवरी के बीच होने वाली रैली के लिए बुलाए गए अभ्यर्थियों को एक दिन पहले रात में सवा 12 बजे मैदान पर प्रपत्रों के साथ रिपोर्टिंग करनी होगी। इसलिए दो जनवरी, मंगलवार को रैली में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी सोमवार की रात आ गए। उनको 12.15 बजे रैली स्थल पर पहुंचाया गया। मिली जानकारी के अनुसार आजमगढ़, बलिया, चंदौली, देवरिया, गाजीपुर, गोरखपुर, जौनपुर, मऊ, मिर्जापुर, भदोही, सोनभद्र और वाराणसी के 13200 अभ्यर्थियों ने लिखित परीक्षा पास की है।

दो जनवरी को सभी 12 जनपदों के टेक्निकल पदों के अभ्यर्थी रैली में शामिल होंगे।

ड्रोन से खेती–किसानी का तरीका सीखेंगी महिलाएं

संवाददाता–गोरखपुर। केन्द्र सरकार द्वारा संचालित नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत गोरखपुर, महराजगंज तथा देवरिया से चयनित स्वाम सेवा समूह की 9 महिलाओं को ड्रोनिंग के लिए समस्तीपुर भेजा गया है। महिलाओं को भेजने का जिम्मा हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड कंपनी ने उठाया है। यूरिया प्लांट संचालित करने वाले एचयूआरएल कंपनी के डीजीएम सुधांशु दीक्षित ने बताया कि चयनित महिलाएं ड्रोन से किसानी का गुर सीखेंगी। 7 दिनों की इस ट्रेनिंग के दौरान महिलाओं को ड्रोन चलाने की पूरी जानकारी दी जाएगी।

उड़ान भरने के लिए अयोध्या एयरपोर्ट को मिला इंटरनेशनल कोड, 6 जनवरी से उड़ने लगेंगे विमान, शेड्यूल जारी

संवाददाता–अयोध्या। उड़ान के क्षेत्र में अयोध्या को अंतरराष्ट्रीय पहचान भी मिल गई। अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आईएटीए) ने महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अयोध्या धाम के लिए कोड जारी कर दिया। यहां से उड़ान छह जनवरी से शुरू होने वाली हैं। दो विमानन कंपनियों ने उड़ान का शेड्यूल भी जारी कर दिया है। उड़ान के लिए एयरपोर्ट का कोड उसकी विशिष्ट पहचान है। किसी भी एयरपोर्ट से उड़ान के लिए यह अनिवार्य होता है। इसे एक प्रकार से लाइसेंस भी कहते हैं। इसे 150 देशों में एयरलाइंस समूह की संस्था इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन जारी करती है। इसका मुख्यालय कनाडा में स्थित है। अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ का काम सुरक्षित, निश्चित, विश्वसनीय सेवाएं उपलब्ध कराना है। यह उड़ान संबंधी समस्याओं का समाधान करता है। इसके साथ ही उड़ान, किराये और अन्य व्यवस्थाओं पर भी इसकी नजर रहती है। आईएटीए ने महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अयोध्या धाम के लिए एवाईजे कोड जारी किया है। इस कोड के जारी होने के साथ ही एयरपोर्ट अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) से जुड़ जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र का एक अभिकरण है। इसका काम अंतरराष्ट्रीय उड़ान के सिद्धांत और तकनीकों को नियत करना है। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से इंडिगो और एयर इंडिया एक्सप्रेस की देश के पांच शहरों से उड़ान शुरू होने वाली है। दोनों विमानन कंपनियों ने उड़ान का शेड्यूल भी जारी कर दिया है। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुरक्षा अत्याधुनिक उपकरणों से की जा रही है। विशेष प्रशिक्षण प्राप्त यूपीएसएसएफ दस्ते को अयोध्या में तैनात किया गया है। स्थानीय स्तर अफसरों ने चेकिंग प्वाइंट पर सुरक्षा का जायजा लिया।हवाई अड्डा की सुरक्षा उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल छठवीं वाहिनी को सौंपी गई है। यहां तीन इंस्पेक्टर, 55 उप निरीक्षक, 22 मुख्य आरक्षी और 194 आरक्षी लगाए गए हैं। कुल संख्या 294 है। जवानों को वाच टावर के साथ सभी प्वाइंट पर तैनात किया गया है। स्क्रीन के जरिए पूरे एयरपोर्ट की सुरक्षा की सतत निगरानी शुरू कर दी गई। अलग–अलग काम के लिए अलग–अलग टीमें लगाई गई हैं। यूपीएसएसएफ के मीडिया प्रभारी विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि तैनाती के पहले जवानों को अपर पुलिस महानिदेशक एलवी एंटनी देव कुमार ने सुरक्षा की बावत जानकारी दी। तीन माह का विशेष प्रशिक्षण, सुरक्षा शाखा से सुरक्षा संबंधी उपकरणों का प्रशिक्षण दिया गया है। यूपी एटीएस से आधुनिक हथियारों का विशेष प्रशिक्षण और यूपीएसडीआरएफ से आपदा से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। एयरपोर्ट की सुरक्षा के लिए पांच दिन का इंडक्शन कोर्स, 14 दिन का बेसिक कोर्स, पांच दिन का स्क्रीनर्स से संबंधित विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मद्देनजर तैनात जवान आतंकी खतरों, भीड़ भाड़ से निपटने की क्षमता रखते हैं। बताया कि एयरपोर्ट के उद्घाटन अवसर पहुंचे मुख्यालय के अपर पुलिस महानिदेशक एलवी एंटनी देव कुमार, उपसेनानायक अभय मिश्रा ने एयरपोर्ट के प्लाइंट्स सहित अन्य स्थलों का निरीक्षण किया था।

पत्थर नसब उखाड़ा, चार पर मुकदमा दर्ज, एक गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। खजनी तहसील क्षेत्र के मदनपुरा में चहारदीवारी गिराने और पत्थर नसब उखाड़ने के मामले में पुलिस ने केस दर्ज करके एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। तीन अन्य की तलाश जारी है। मामला हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र का है। मदनपुरा गांव में एक रकबा में तीन सह खातेदार रेनू व प्रियंका 31 डिस्मिल, प्रमोद यादव 12 डिस्मिल, लक्ष्मण यादव 43 डिस्मिल ने जमीन क्रय किया था। बंटवारे को लेकर विवाद होने पर मामला एसडीएम कोर्ट में पहुंचा। मामले का निस्तारण कराते हुए राजस्व टीम ने जमीन का बंटवारा कराकर पिलर गड़वा दिया। रेनू और प्रियंका के हिस्से में एक ओर से चहारदीवारी चला दी गई। आरोप है कि चहारदीवारी और पिलर को प्रमोद यादव, संतोष यादव, अनिल यादव उर्फ तीर्थराज यादव पुत्र लालमन यादव और लालमन पुत्र बलीकरण ने उखाड़कर फेंक दिया। इस मामले में केस दर्ज करके पुलिस ने प्रमोद को गिरफ्तार कर लिया। अन्य की तलाश की जा रही है।

डा.केएस प्रताप कुमार बने गोरखपुर के नये एडीजी जोन

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर के एडीजी जोन अखिल कुमार का ट्रांसफर हो गया। वे कानपुर के पुलिस कमिश्नर बनाए गए हैं। जबकि, यहां डॉ. केएस प्रताप कुमार को गोरखपुर का नया एडीजी जोन बनाया गया है। इससे पहले वे पीएसी लखनऊ के एडीजी पद पर तैनात थे। इसके साथ ही उन्हें एडीजी क्राइम का भी अतिरिक्त प्रभार मिला था। खास बात यह है कि डॉ. केएस प्रताप कुमार इससे पहले भी गोरखपुर के एसएसपी रह चुके हैं। ऐसे में वे गोरखपुर के पूरी तरह परिचित हैं। वहीं, एडीजी जोन रहे अखिल कुमार की भी बुधवार की सुबह यहां से कानपुर के लिए विदाई हो जाएगी। दरअसल, शासन ने सोमवार की देर रात यूपी के 7 सीनियर अफसरों का तबादला कर दिया। इनमें गोरखपुर के एडीजी जोन रहे अखिल कुमार भी शामिल हैं। उनका यहां तीन साल का कार्यकाल पूरा हो चका था। ऐसे में अब यहां नए एडीजी की तैनाती की गई है। डॉ. केएस प्रताप कुमार 1993 बैच के सीनियर आईपीएस अफसर हैं। वे मूल रूप से हैदराबाद के रहने वाले हैं। इससे पहले एसएसपी इलाहाबाद, एसपी बलरामपुर और साल 2002 में एसएसपी गोरखपुर समेत कई शहरों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

बाबर के जन्म स्थान से भी आएगा जल, 156 देशों के जल से होगा रामलला का जलाभिषेक

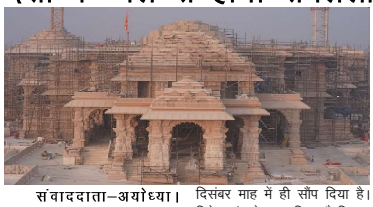

संवाददाता–अयोध्या। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में रामलला का अभिषेक 156 देशों के जल से होगा। खास बात यह है कि इस जल में मुगल शासक बाबर के जन्मस्थान उज्बेकिस्तान का भी जल शामिल है। इसके अलावा चीन, पाकिस्तान, दुबई समेत महाद्वीप अंटार्कटिका के भी जल से रामलला का अभिषेक होगा। यह दावा दिल्ली के पूर्व विधायक डॉ. विजय जौली का है। उन्होंने बताया कि जल से भरा एक बड़ा कलश विहिप के संरक्षक मंडल सदस्य दिनेश चंद्र को उन्होंने साल 23 अप्रैल को हमारी संस्था की ओर से अयोध्या में जलाभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में 13 देशों के राजदूत और 40 देशों के 200 लोगों का समूह अयोध्या पहुंचा था। इस कार्यक्रम में 156 देशों से एकत्रित जल को रामलला की चौखट पर अर्पित किया गया था। इस कार्यक्रम से पहले हमने सभी देशों का थोड़ा–थोड़ा जल तांबे के एक बड़े कलश में एकत्र कर सुरक्षित रख लिया था। जिसे प्राण प्रतिष्ठा समारोह में रामलला के अभिषेक की मंशा से विहिप को सौंप दिया गया है। डॉ. जौली ने बताया कि जल संग्रह में सर्वधर्म के लोगों का सहयोग है। सऊदी अरब से हिंदुओं ने जल भेजा। कजाकिस्तान से मुस्लिम ताज मोहम्मद ने अपने यहां की प्रमुख नदी का जल भेजा। ईरान की एक मुस्लिम महिला ने जल भेजा। कीनिया से सरदारों की मदद से जल संग्रह हुआ। सिंधियों ने खतरा मोल लेकर पाकिस्तान से जल भेजा था।

दिसंबर माह में ही सौंप दिया है। दिनेश चंद्र ने बादा किया है कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में रामलला के अभिषेक के लिए इस जल का उपयोग किया जाएगा। डॉ. विजय जौली के अनुसार दुनिया के 170 देशों में दिल्ली स्टडी ग्रुप के के संबंध हैं। वह कई वर्षों तक भाजपा के विदेश विभाग के प्रमुख रहे। दिल्ली स्टडी ग्रुप की भी जल संग्रह अभियान में अहम भूमिका रही। कई देशों की सरकारें हमारे संस्था के सदस्यों को प्रतिनिधि के रूप में बुलाती रहती हैं, इसका फायदा भी हमें मिला। पिछले

कुबेरा बाजार में ट्रक चालकों ने किया राजमार्ग को किया जाम

संवाददाता–अयोध्या। ट्रक चालकों ने मोटर व्हीकल एक्ट में संशोधन के विरोध में फैजाबाद रायबरेली राजमार्ग पर स्थित शाहगंज मोड पर ट्रकों को सड़क पर खड़ा करके राजमार्ग को ही जाम कर दिया। कोचिंग निकले छात्रों ने बताया कि ट्रक चालकों ने करीब सुबह लगभग 8रू00 बजे से ट्रकों को राजमार्ग पर खड़ा कर संपूर्ण आवागमन बाधित कर दिया जिससे एंबुलेंस, आमजन, छात्रों व नौकरी पेसा लोगों को लगभग 2 घंटे तक समस्या का सामना करना पड़ा सूचना पाकर पहुंची इनायत नगर पुलिस ने डंडा फटकारते हुए ट्रक चालकों को इनायत नगर थाने पर कार्रवाई के लिए ले गए । वाहन चालकों ने कहा कि इस कानून को बर्दाश्त नहीं करेंगे वाहन चालकों ने 3 जनवरी तक हड़ताल वह विरोध प्रदर्शन करने की बात कह रहे थे।

राम मंदिर के मुख्य पुजारी का उदित राज पर पलटवार

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर को लेकर एक विवादित टिप्पणी की। उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा, श्मतलब पांच सौ वर्ष बाद मनुवाद की वापसी हो रही है।श कांग्रेस नेता उदित राज के ट्वीट पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास महाराज ने कहा, श्पीएम जो कर रहे है वह श्सबका साथ, सबका विकास है। वे (कांग्रेस) सत्ता में आना चाहते हैं, लेकिन उन्हें कोई सत्ता नहीं मिलने वाली है। क्योंकि जनता सत्ता देती है और इन लोगों को जनता से कोई मतलब नहीं है। ये सिर्फ प्रधानमंत्री की आलोचना करने में लगे हैं। कुछ भी काम नहीं आने वाला। ये तय है कि 2024 में एक बार फिर भाजपा सरकार बनाएगी और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे।

कार्यालय नगर पंचायत नगर बाजार जनपद–बस्ती।

सूचना

मा0 अध्यक्ष महोदया द्वारा प्राप्त निर्देश के क्रम में कार्यालय के पत्र संख्या 439/न0पं0न0बा0/2023–24 दिनांक 25.11.2023 द्वारा आमंत्रित ई–निविदा को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत नगर बाजार, बस्ती

पत्रांक:–490(4)/न0पं0न0बा0/2023–24 दिनांक 30 दिसम्बर, 2023

कार्यालय ग्राम पंचायत बारहकोनी विकास खण्ड रामनगर-बस्ती।

अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2023–24 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त/राज्य वित्त/मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता दिनाकः 03.01.2024 से 09.01.2024 तक निविदा कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनाक 09.01.2024 सायं 03 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनाक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

नोटः– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

ग्राम प्रधान–प्रमिला
ग्राम पंचायत- बारहकोनी
विकास खण्ड रामनगर, बस्ती

सचिव/ग्रां.प्र.अ.–आशुतोष पाल
ग्राम पंचायत- बारहकोनी
विकास खण्ड रामनगर, बस्ती

पत्रांक मेमो /02.01.2024 वित्तीय वर्ष 2023–24

नगर निगम सदन की बैठक 4 को, उठेगा अतिक्रमण अभियान का मुद्दा

संवाददाता–गोरखपुर। नगर निगम की बोर्ड बैठक गुरुवार को होगी। महापौर डॉ मंगलेश अग्रवाल की अध्यक्षता में निगम के सदन हाल में यह बैठक सुबह 11 बजे से होगी। बैठक में समाजवादी पार्टी के पार्षद व पूर्व उपसभापति पार्षद जियाउल इस्लाम ने नगर निगम प्रशासन को अतिक्रमण हटाने के नाम पर घेरने की रणनीति बनाई है। उन्होंने बताया कि पार्षद दल के नेता अशोक यादव के साथ इन मुद्दों पर सहमति बन गई है। अतिक्रमण के नाम पर रेहड़ी, ठेला, खोमचे वालों के हटाने के साथ उचित जगह देकर उन्हें बसाने पर चर्चा की जाएगी। बेतियाहाता दक्षिणी से पार्षद विश्वजीत त्रिपाठी ने कहा कि गृहकर–जलकर पर जीआईएस सर्वे पर भी चर्चा की मांग करेंगे। सपा पार्षदों का आरोप है कि गलियों में ठेले पर दो से तीन सौ रुपये कमाने वाले जरूरतमंदों के खिलाफ नगर निगम का प्रवर्तन दल कार्रवाई कर रहा है। इसका विरोध किया जाएगा। दिग्विजयनगर वार्ड से पार्षद पूर्व उपसभापति ऋषि मोहन वर्मा जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र के जारी होने में हो रहे विलम्ब का मुद्दा प्रमुखता से उठाएंगे। विजय चौक से पार्षद पूर्व उपसभापति मनु जायसवाल ने निगम सदन की बैठक में पथ प्रकाश मसला प्रमुखता से उठाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन चौक चौराहों पर स्ट्रीट लाइटों का रखरखाव उचित नहीं है। वरिष्ठ पार्षद पिप्टू गौड अपने वार्ड में चल रही अवैध डेरियों की शिफ्टिंग की मांग करेंगे, जिन्हें महापौर के निर्देश के बाद ही हटाया नहीं गया।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया कामप्लेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com